संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

दैनिक घटती घटना

RNI REG. No.-CHHHIN/2004/15050
Po.Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 21, अंक - 162 मंगलवार 15 अप्रैल 2025 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

महत्वपूर्ण खबर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अर्पित की पुष्पांजलि

नई दिल्ली ,14 अप्रैल 2025(ए)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर संसद परिसर में प्रेरणा स्थल पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, कई केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस पार्टी के नेता मौजूद थे।

भारत हासिल की स्टार वार्स तकनीक

डीआरडीओ के लेजर वीपॉन ने 5 किलोमीटर दूर से मार गिराए ड्रोन

नई दिल्ली/कुरनूल,14 अप्रैल 2025(ए)। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन लेजर हथियार ने 5 किलोमीटर की सीमा के भीतर ड्रोन को सफलता पूर्वक मार गिराया है। इसी के साथ भारत ने भविष्य के स्टार वार्स तकनीक वाले लेजर हथियार प्रणाली से ड्रोन और मिसाइलों को मार गिराने की क्षमता हासिल कर ली है।

पवन कल्याण की पत्नी ने तिरुमाला मंदिर में करवाया अपना मुंडन

बेटे के लिए मांगी थी मन्नत

नई दिल्ली,14 अप्रैल 2025(ए)। आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण की पत्नी अन्ना कोनिडेला ने रविवार को तिरुमाला मंदिर में अपनी मन्नत पूरी की। उन्होंने अपने बेटे मार्क शंकर की सलामती के लिए भगवान वेंकटेश्वर को अपने बाल अर्पित किए। सिंगापुर में हुए एक हादसे में उनका बेटा घायल हो गया था, जिसके बाद अन्ना ने यह मन्नत मांगी थी। बेटे के स्वस्थ होने पर उन्होंने कृतज्ञता प्रकट करते हुए सिर मुंडवाया।

सलमान खान को घर में घुसकर मारने की धमकी

मुंबई,14 अप्रैल 2025(ए)। बालीवुड एक्टर सलमान खान को अज्ञात शख्स ने घर में घुसकर मारने की धमकी दी है। शख्स ने उनकी कार को उड़ाने की धमकी दी है। इस संबंध में वर्ली पुलिस स्टेशन में केस दर्ज कर लिया है।

पश्चिम बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा

- मुर्शिदाबाद में 3 की मौत, इंटरनेट बंद...
- पुलिस चला रही गोलियां, आग के हवाले शहर...

कोलकाता,14 अप्रैल 2025(ए)। पश्चिम बंगाल के कम से कम 3 जिलों में वक्फ कानून को लेकर विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गया है। सबसे ज्यादा खराब हालात मुर्शिदाबाद में है। इसके अलावा उत्तर 24 परगना, हुगली और मालदा में भी हिंसक प्रदर्शन हुए हैं। राज्य में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है और पुलिस ने 138 लोगों को गिरफ्तार किया है। वहीं, कलकत्ता हाई कोर्ट के आदेश के बाद राज्य में केंद्रीय सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है।

हिंसाग्रस्त इलाकों में 1,600 जवान तैनात

केंद्र सरकार ने हिंसाग्रस्त इलाकों में केंद्रीय बलों के 1,600 जवान तैनात किए हैं। हिंसा प्रभावित मुर्शिदाबाद में करीब 300 सीमा सुरक्षा बल जवानों के अलावा 5 और कंपनियां तैनात की गई हैं। हिंसाग्रस्त इलाकों में इंटरनेट बंद है और लोगों के जुटने पर भी पाबंदी है। वक्फ बिल बीती रात राज्य के डीजीपी राजीव कुमार भी मुर्शिदाबाद पहुंचे और पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। उन्होंने हिंसा प्रभावित शमशेरगंज में रूट मार्च भी किया।

भीड़ ने पिता-पुत्र की हत्या की,गोली लगने से एक की मौत

बीते दिन मुर्शिदाबाद के धुलियान में रहने वाले पिता-पुत्र की भीड़ ने हत्या कर दी। इनकी पहचान हरगोविंद दास और चंदन दास के तौर पर हुई है। वहीं, तीसरा मृतक 17 साल का एजाज अहमद शेख है, जिसे शुक्रवार को सुती में पुलिस द्वारा चलाई गई गोली लगी थी। शनिवार को उसे मृत घोषित कर दिया गया। धुलियान में आज फिर गोली चलने की खबर है, जिसमें 2 बच्चे घायल हो गए हैं। हालांकि,इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है।

वक्फ बिल को लेकर कलकत्ता हाई कोर्ट ने कहा-आंखें बंद नहीं कर सकते

कोलकाता हाई कोर्ट ने हिंसा प्रभावित इलाकों में केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश देते हुए कहा कि ऐसी स्थिति आने पर अदालत अपनी आंखें बंद नहीं रख सकती। कोर्ट ने केंद्र और पश्चिम बंगाल सरकार दोनों से विस्तृत रिपोर्ट पेश करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 17 अप्रैल को होगी। ये आदेश पश्चिम बंगाल विधानसभा में विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी द्वारा दायर याचिका पर सुनवाई के दौरान दिया गया।

ममता बनर्जी बोलीं...राज्य में लागू नहीं होगा वक्फ कानून

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोगों से शांति की अपील की है। उन्होंने लिखा, 'सभी धर्मों के लोगों से मेरी विनम्र अपील है कि कृपया शांत और संयमित रहें। हर जान कीमती है, राजनीति के लिए दंगे मत भड़काओ। हमने यह कानून नहीं बनाया है, जिससे लोग नाराज हैं। यह कानून केंद्र सरकार ने बनाया है। इसलिए जो जवाब आप चाहते हैं, वह केंद्र से मांगा जाना चाहिए। हम किसी भी हिंसक गतिविधि का समर्थन नहीं करते हैं।

पीएम मोदी ने कहा 'वक्फ पर ईमानदारी से नहीं हुआ था काम, सिर्फ भूमाफियाओं को हुआ लाभ'

कोलकाता,14 अप्रैल 2025(ए)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज एक दिवसीय दौरे पर हरियाणा पहुंचे। यहां पहुंचकर उन्होंने सबसे पहले हिसार हवाई अड्डे का उद्घाटन किया और हिसार से अयोध्या के लिए सीधी उड़ान को हरी झंडी दिखाई। इसके बाद पीएम मोदी ने जहां एक तरफ मंच से वक्फ कानून को लेकर अपनी सरकार की नई नीति के बारे में बताया, वहीं कांग्रेस पर तीखा प्रहार करते हुए बाबा साहेब अंबेडकर के अपमान का आरोप भी लगाया। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में कहा, वक्फ के नाम पर लाखों हेक्टेयर जमीन पूरे देश में है। इस जमीन से गरीबों का, बेसहारा महिलाओं-बच्चों का भला होना चाहिए था। अगर ईमानदारी से इसका उपयोग हुआ होता, तो मुसलमानों को साइकिल के पंचर बनाने की जरूरत नहीं होती। इससे सिर्फ भू-माफिया को ही फायदा हुआ। ये माफिया इस कानून के जरिए गरीबों की जमीन लूट रहे थे। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने भाषण में कहा, वक्फ के नाम पर लाखों हेक्टेयर जमीन पूरे देश में है। इस जमीन से गरीबों का, बेसहारा महिलाओं-बच्चों का भला होना चाहिए था। अगर ईमानदारी से इसका उपयोग हुआ होता, तो मुसलमानों को साइकिल के पंचर बनाने की जरूरत नहीं होती। इससे सिर्फ भू-माफिया को ही फायदा हुआ।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले को चुनौती दे सकती है केंद्र सरकार

राष्ट्रपति और राज्यपाल के लिए समयसीमा निर्धारित करने का मामला

नई दिल्ली,14 अप्रैल 2025(ए)। केंद्र सरकार राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राष्ट्रपति और राज्यपालों के लिए समय सीमा तय करने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर समीक्षा याचिका दायर कर सकती है। सरकार का मानना है कि फैसले में कुछ बिंदु कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र को प्रभावित कर सकते हैं। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने कहा कि इस बारे में अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

समीक्षा याचिका दायर करने को लेकर होगी चर्चा

अधिकारियों के अनुसार,समयसीमा की समीक्षा की मांग के अलावा, सरकार सर्वोच्च न्यायालय के उस आदेश की समीक्षा की मांग कर सकती है, जिसके अनुसार यदि राज्यपाल द्वारा विचार के लिए भेजे गए विधेयक पर राष्ट्रपति अपनी मंजूरी नहीं देते हैं तो राज्य सरकारें सीधे कोर्ट का दरवाजा खटखटा सकती हैं। नाम न बताने की शर्त पर एक अधिकारी ने कहा, अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है, लेकिन समीक्षा याचिका पर विचार किया जा रहा है। अधिकारी ने समीक्षा याचिका दायर करने की समयसीमा नहीं बताई। दूसरे अधिकारी ने कहा कि समीक्षा के आधार पर भी अभी चर्चा होनी है।

भारतीय तटरक्षक बल को देखकर 1800 करोड़ की ड्रग्स समुद्र में फेंक भागे तस्कर

300 केजी मादक पदार्थ जब्त

गांधीनगर,14 अप्रैल 2025(ए)। गुजरात तट के पास 12-13 अप्रैल की रात भारतीय तटरक्षक बल और गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते ने संयुक्त अभियान में 1800 करोड़ रुपये कीमत की 300 किलोग्राम नशीली दवाएं जब्त कीं। यह मादक पदार्थ, संभवतः मेथमफेटामाइन, अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा के पास अरब सागर से बरामद किया गया। तस्करों ने तटरक्षक जहाज को देखते ही ड्रग्स समुद्र में फेंक दी और आईएमबीएल पार कर भाग निकले। एसीजी ने तुरंत खेप बरामद की और इसे आगे की जांच के लिए ड्रग्स को सौंप दिया।

दिन निकलते ही गोलियों से गूंजा इलाका

मुठभेड़ में दो शातिर अपराधी घायल, एक फरार

ग्रेटर नोएडा,14 अप्रैल 2025 (ए)। ग्रेटर नोएडा के थाना सूरजपुर पुलिस ने रविवार को 130 मीटर रोड पर चेकिंग के दौरान एक बड़ी सफलता हासिल की। पुलिस ने आर्म्स एक्ट, चोरी व लूट, हत्या के प्रयास, संगठित अपराध से संबंधित मामले में शामिल दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। हालांकि इनका एक साथी मौके से फरार हो गया। पुलिस द्वारा की जा रही नियमित जांच के दौरान तिलपता गोलचक्कर की ओर से आ रही एक बिना नंबर प्लेट की स्प्लेंडर बाइक पर सवार तीन संदिग्ध व्यक्तियों को रुकने का इशारा किया गया। लेकिन उक्त बाइक सवार पुलिस का इशारा नजरअंदाज करते हुए तेजी से मुड़कर भागने लगे और इस दौरान पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए जवाबी कार्रवाई की, जिसमें दो बदमाश गोली लगने से घायल हो गए। घायलों की पहचान अरमान उर्फ गब्बर, निवासी ईदगाह के पास, लोहिया नगर, जिला मेरठ और विशाल, निवासी ग्राम रसूलपुर, जनपद संभल के रूप में हुई है। दोनों को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। बदमाशों का तीसरा साथी विपिन, निवासी ग्राम रसूलपुर रिठौरी, थाना चोला, जिला बुलंदशहर मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश के लिए पुलिस द्वारा कांबिंग की जा रही है। घायल बदमाशों के कब्जे से दो अवैध तमंचे (.315 बोर), दो खोखा कारतूस, दो जिंदा कारतूस, एक बिना नंबर प्लेट की बाइक, और चोरी व लूट की घटनाओं से संबंधित छह मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

मंत्री हफीजुल हसन ने शरीयत को संविधान से ऊपर बताया,भाजपा ने की बर्खास्त करने की मांग

रांची ,14 अप्रैल 2025 (ए)। झारखंड सरकार के अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री और झामुमो नेता हफीजुल हसन अंसारी ने अपने एक बयान में इस्लामिक कानून शरीयत को संविधान से ऊपर बताया है। उनके इस बयान पर सूबे का सियासी माहौल गर्म हो गया है। भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेताओं ने उनके बयान पर गहरी आपत्ति जताते हुए मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की है। अंसारी ने कहा, शरीयत मेरे लिए बड़ा है। हम कुरान सीने में रखते हैं और हाथ में रखते हैं संविधान। मुसलमान कुरान सीने में और संविधान हाथ में लेकर चलता है। तो, हम पहले शरीयत को पकडेंगे, उसके बाद संविधान में...मेरा इस्लाम यही कहता है।

मेहुल चोकसी के प्रत्यर्पण में कितना समय लगेगा?

- मेहुल चोकसी बेल्जियम में गिरफ्तार,भारत लाने की कोशिश जारी
- पूर्व राजनयिक ने बताया, मेहुल के प्रत्यर्पण में लग सकता है समय
- चोकसी की धोखाधड़ी मामले पर भारत की जांच एजेंसियां सक्रिय

नई दिल्ली,14 अप्रैल 2025 (ए)। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) में 13,000 करोड़ रुपये के ऋण धोखाधड़ी मामले में भगोड़े हीरा कारोबारी मेहुल चोकसी को भारतीय जांच एजेंसियों के प्रत्यर्पण अनुरोध के बाद बेल्जियम में गिरफ्तार कर लिया गया। उसे भारत लाने की कोशिश की जा रही है। लेकिन पूर्व राजनयिक के.पी. फैबियन का कहना है कि मेहुल चोकसी का प्रत्यर्पण अच्छा होगा, मगर इसमें बहुत समय लग सकता है।

तहव्वुर राणा को भारत लाने में लगे 17 साल

फैबियन ने 26/11 मुंबई हमले के आरोपी तहव्वुर राणा के प्रत्यर्पण का उदाहरण दिया। राणा को अमेरिका से प्रत्यर्पित करने में 17 साल लग गए। इसलिए चोकसी के मामले में हमें जल्द उम्मीद नहीं करनी चाहिए। फैबियन ने कहा कि यह बहुत अच्छा होगा अगर यह (प्रत्यर्पण) हो जाए। मगर राणा को लाने में कितने साल लगे? 26/11 कब हुआ था, 2008 में, और हम उसे 2025 में लाए। इसलिए, इन सभी प्रत्यर्पण प्रक्रियाओं में समय लगेगा। इसमें बाधाएं भी आ सकती हैं। मैंने अभी खबर सुनी है, मेरे पास कोई अंदर की जानकारी नहीं है कि वह अपनी सेहत के आधार पर इसे चुनौती देने जा रहा है तो चलिए देखते हैं,इस समय हम कुछ नहीं कह सकते।

पहली संधि 1958 में हो गई थी खत्म

भारत और बेल्जियम के बीच जो प्रत्यर्पण संधि है, उसके मुताबिक अगर कोई व्यक्ति किसी अपराध में शामिल है, तो उसे अपील करने वाले देश के हवाले किया जा सकता है। 2020 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाले केंद्रीय मंत्रिमंडल ने भारत और बेल्जियम के बीच प्रत्यर्पण संधि पर हस्ताक्षर करने की मंजूरी दी थी। यह संधि 1901 में ब्रिटेन और बेल्जियम के बीच हुई एक संधि की जगह लेती है, जिसे भारत में 1958 तक जारी रखा गया था। यह भारत और बेल्जियम के बीच अपराधियों को सौंपने के लिए एक नया समझौता है।

तेलंगाना ने एससी आरक्षण को तीन ग्रूप में बांटा

हैदराबाद,14 अप्रैल 2025 (ए)। तेलंगाना ने आंबेडकर जयंती पर अनुसूचित जाति (एससी) वर्गीकरण के कार्यान्वयन पर एक सरकारी आदेश जारी किया। तेलंगाना आधिकारिक तौर पर ऐसा करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। सिंचाई मंत्री एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने इसकी जानकारी दी।तेलंगाना सरकार ने पहले एससी वर्गीकरण पर रिटायर हाई कोर्ट के जज जस्टिस शमीम अख्तर की अध्यक्षता में एक आयोग नियुक्त किया था। आयोग ने सिफारिशें की थीं कि 59 अनुसूचित जाति (एससी) समुदायों को सरकारी नौकरियों और शिक्षा में कुल 15 प्रतिशत आरक्षण के लिए तीन समूहों क, कक और ककक में विभाजित किया जाना चाहिए।

संपादकीय

मुद्दों का सौहार्द पूर्ण समाधान

भारत और श्रीलंका ने पहली बार सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग के लिए ढांचे को संस्थागत बनाने के संबंध में शनिवार को रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए।कोलंबो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने कुल सात समझौतों पर हस्ताक्षर किए। मोदी-दिसानायके वार्ता में 10 से ज्यादा ठोस परिणाम निकले और सबसे महत्त्वपूर्ण तो यह कि दोनों देश सैन्य क्षेत्र में गहन सहयोग को राजी हुए हैं। बेशक, यह फैसला दोनों देशों के रणनीतिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है। इसलिए भी कि यह समझौता श्रीलंका में भारतीय शांति रक्षा सेना के हस्तक्षेप के करीब 35 साल बाद हुआ है। भारत के लिए मोदी का श्रीलंका दौरा इसलिए भी सफल कहा जा सकता है कि दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी को आासन दिया है कि श्रीलंका अपने भूभाग का इस्तेमाल किसी भी तरह से भारत के सुरक्षा हितों के प्रतिकूल कदमों के लिए नहीं होने देगा। जब-जब पड़ोसी चीन श्रीलंका के साथ दोस्ताना होता है,तब-तब भारत की पेशानी पर चिंता की लकीरें उभरने लगती हैं। लेकिन अब श्रीलंका से स्पष्ट आासन मिलने से भारत को बड़ी राहत का अहसास हुआ है। दरअसल, दोनों पड़ोसी देशों बीच ऐतिहासिक, आध्यात्मिक और आत्मीयता से भरे संबंध रहे हैं, दोनों देशों की साझा बौद्ध विरासत है, दोनों की सुरक्षा एक दूसरे से जुड़ी हुई है, और दोनों परस्पर निर्भर कहे जा सकते हैं। दिसानायके इस बात से वाकिफ हैं। संभवत- यही कारण रहा कि राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को चुना। मोदी को भी उन्होंने अपना पहला विदेशी मेहमान बनाया और उन्हें श्रीलंका के सर्वोच्च सम्मान मित्र विभूषण' से भी नवाजा। भारत भी श्रीलंका की मित्रता को खासा तवज्जो देता है, और इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि 2014 के बाद से प्रधानमंत्री मोदी का यह चौथा श्रीलंका दौरा था। चाहे 2019 का आतंकवादी हमला हो, कोविड महामारी हो या हाल में आया आर्थिक संकट हो, हर कठिन परिस्थिति में भारत ने श्रीलंका की तरफ मदद का हाथ बढ़ाया है। श्रीलंका हमारी पड़ोसी पहले' नीति और महासागर' दृष्टिकोण से भी हमारे लिए विशेष स्थान रखता है। अलबत्ता, श्रीलंका में तमिलों की आकांक्षाओं और भारतीय मछुआरों के श्रीलंका के जल क्षेत्र में पकड़े जाने जैसे विवादास्पद मुद्दे हैं। उम्मीद है कि इन मुद्दों का सौहार्दपूर्ण समाधान निकालने में भी दोनों पड़ोसी देश सफल होंगे।

रंगमंच पर जाति का खेल:कितना जायज़ ?

प्रियंका सौरभ
आर्यनगर, हिसार (हरियाणा)

कला का काम समाज को जागरूक करना है, उसकी विविधताओं को सम्मान देना है,और उस आईने की तरह बनना है जिसमें हर वर्ग खुद को देख सके। लेकिन जब कला सिर्फ कुछ खास वर्गों या समूहों की महिमा गाने लगे, और बाकी समाज की पीड़ा, संघर्ष और उपस्थिति को नज़रअंदाज़ कर दे, तो वह कला नहीं रहती – वह प्रचार बन जाती है। आज रंगमंच और सिनेमा जैसे माध्यमों में यही संकट उभर कर सामने आ रहा है। सवाल सिर्फ यह नहीं है कि रंगमंच पर जाति का खेल हो रहा है, बल्कि यह भी है कि वह खेल किसके पक्ष में है और किसे किनारे कर रहा है।

रंगमंच और सिनेमा, लेखन और दृश्य माध्यमों का बहुत गहरा सामाजिक असर होता है। जब मंच पर किसी समूह की बार-बार जयजयकार की जाती है, उसे ही वीर, बुद्धिमान, त्यागी और नैतिक माना जाता है, और बाकी वर्गों को या तो खलनायक या हास्य पात्र या फिर हाशिए के लोग दिखाया जाता है तो यह असंतुलन समाज के भीतर भी गहरे बैठ जाता है।

कला को यह अधिकार अवश्य है कि वह ऐतिहासिक घटनाओं, परंपराओं और चरित्रों को अपनी दृष्टि से दिखाए। लेकिन अगर यह दृष्टि बार-बार एक ही दिशा में झुकी हो–अगर वह विविधता को दबाकर केवल कुछ गिने-चुने वर्गों को ही उभारती हो–तो वह दृष्टि एकपक्षीय और पूर्वग्रह से ग्रसित मानी जाएगी।

इतिहास का चयन और वर्तमान की राजनीति

किसी भी नाटक या फ़िल्म का आधार अक्सर इतिहास होता है। लेकिन इतिहास को देखने और दिखाने का तरीका आजकल चुनिंदा हो गया है। हम उन्हीं कहानियों को मंचित कर रहे हैं जो सत्ता के केंद्र में रही हैं, और उन्हीं समूहों को बार-बार 'गौरव' और 'शौर्य' के प्रतीक के रूप में पेश किया जा रहा है जिन्होंने पारंपरिक रूप से सामाजिक सत्ता को अपने नियंत्रण में रखा है। दूसरी ओर, वे कहानियाँ जो सामाजिक संघर्ष,विद्रोह,क्रांति, या समानता की बात करती हैं...वे या तो अनुपस्थित हैं या उन्हें सीमित दर्शकों के लिए मंचित किया जाता है। सवाल यह नहीं है कि किसकी कहानी बताई जा रही है, सवाल यह है कि किन कहानियों को लगातार दबाया जा रहा है।

मनोरंजन के नाम पर मानसिकता का निर्माण

जब कोई बच्चा बचपन से ही नाटकों, फिल्मों, और धारावाहिकों में देखता है कि नायक एक ही सामाजिक वर्ग से आता है, उसका पहनावा, भाषा, व्यवहार श्रेष्ठ दिखाया जाता है,और बाकी वर्ग केवल सहायक, सेवक या खलनायक के रूप में मौजूद रहते हैं, तो वह यह धारणा बना लेता है कि समाज का यही 'स्वाभाविक' क्रम है।

यह सोच बाद में भेदभाव,पूर्वग्रह और असमानता को जन्म देती है। इस तरह कला सिर्फ मनोरंजन नहीं करती, बल्कि सामाजिक सोच और मानसिकता का निर्माण भी करती है। और जब वह मानसिकता असंतुलित होती है, तो वह समाज में हिंसा और बहिष्कार का कारण बनती है।

कला के नाम पर बहिष्कार और नफरत

कई बार जब कोई निर्देशक,लेखक या कलाकार समाज के वंचित वर्गों की पीड़ा को मंच पर लाता है, तो उसे विरोध का सामना करना पड़ता है। कभी कह दिया जाता है कि ये संस्कृति के खिलाफ है, कभी कहा जाता है ÷ये इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश कर रहा है और कई बार कलाकारों को धमकियाँ भी मिलती हैं। वहीं, जब कोई मंच या फिल्म किसी शक्तिशाली वर्ग की प्रशस्ति करता है, तब उसे गौरव और संस्कृति की रक्षा का दर्जा मिल जाता है। यह दोहरा मापदंड कला को लोकतांत्रिक नहीं, बल्कि वर्गीय बनाता है।

क्या अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता केवल कुछ वर्गों के लिए है?

कला के क्षेत्र में अक्सर 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' की बात की जाती है। लेकिन यह स्वतंत्रता सबके लिए समान रूप से उपलब्ध नहीं दिखती। जिनके पास सामाजिक,आर्थिक और राजनीतिक ताकत है, वे अपनी कहानियाँ बार-बार कह सकते हैं। लेकिन जिनकी आवाज़ें पहले ही दबाई गई हैं, उन्हें आज भी वह मंच नहीं मिल पा रहा है। सवाल यह नहीं है कि कोई वर्ग अपनी कहानी क्यों कहता है, सवाल यह है कि बाकी वर्गों की कहानियों को क्यों चुप करा दिया जाता है।

अनसुनी कहानियाँ और अदृश्य नायक

भारत के इतिहास और समाज में अनगिनत ऐसे नायक हैं जिनकी भूमिका निर्णायक रही है–लेकिन उनके नाम, संघर्ष और योगदान रंगमंच और सिनेमा में न के बराबर दिखाई देते हैं। इन वर्गों की कहानियाँ अगर दिखाई भी जाती हैं तो उन्हें या तो सहानुभूति के लेंस से देखा जाता है या केवल विक्टिम की तरह प्रस्तुत किया जाता है।ऐसे में कला उन वर्गों की शक्ति, प्रतिरोध और नेतृत्व क्षमता को सामने लाने में विफल रहती है। और यह विफलता सिर्फ रचनात्मक नहीं, नैतिक भी है।

रंगमंच का लोकतंत्रीकरण आवश्यक

अगर समाज लोकतांत्रिक है, तो उसका रंगमंच भी लोकतांत्रिक होना चाहिए। इसका मतलब है हर वर्ग की भागीदारी, हर कहानी की जगह, और हर आवाज़ को समान मंच। जब तक रंगमंच पर एक सीमित दृष्टिकोण और एकतरफा महिमामंडन चलता रहेगा, तब तक समाज का यह सांस्कृतिक क्षेत्र लोकतंत्र से दूर रहेगा। यह ज़रूरी है कि थियेटर और सिनेमा में ऐसे नाट्य-लेखक, निर्देशक और अभिनेता सामने आएं जो हाशिए की आवाज़ों को केंद्र में लाएं। जो इतिहास को केवल सत्ता और शौर्य के नज़रिये से नहीं, बल्कि समानता और न्याय के नजरिये से भी देख सकें।

सांस्कृतिक समरसता बनाम सांस्कृतिक वर्चस्व

हमारे समाज में सांस्कृतिक समरसता का विचार बहुत महत्वपूर्ण है। इसका मतलब है –विविधता में एकता, हर संस्कृति और समुदाय के योगदान को स्वीकार करना। लेकिन जब रंगमंच एक ही प्रकार की पोशाक, भाषा, वेशभूषा और जीवनशैली को श्रेष्ठ बताता है, और बाकी को या तो उपहास या तिरस्कार के रूप में दिखाता है, तो वह सांस्कृतिक वर्चस्व को बढ़ावा देता है। सांस्कृतिक वर्चस्व सिर्फ भौतिक दबाव नहीं, बल्कि मानसिक दबाव भी बनाता है। यह समाज के भीतर असुरक्षा, हीन भावना और सामाजिक तनाव पैदा करता है।

नए रंगमंच की आवश्यकता

आज जरूरत है एक ऐसे रंगमंच की जो विविधता का उत्सव माने, जो समानता को आदर्श बनाए, जो शक्ति की जगह संवेदना को महत्व दे। नाट्य लेखन में ऐसे पात्र आएं जो हर वर्ग से हों, जो उन संघर्षों को दिखाएं जो आज भी समाज में मौजूद हैं। सिर्फ ऐतिहासिक राजाओं की कहानियाँ नहीं, बल्कि खेतों, झुग्गियों, स्कूलों और सड़कों की कहानियाँ भी मंच पर हों।

सिनेमा में भी यही ज़रूरत है। जब तक हम कहानियों को केवल सत्ता, वीरता और गौरव के चश्मे से देखते रहेंगे, तब तक हम समाज की असली तस्वीर को नहीं देख पाएंगे।

निष्कर्ष:सबकी कहानी,सबका मंच

रंगमंच पर जाति या वर्ग का खेल तब तक अनुचित है जब तक वह एकपक्षीय है। अगर यह खेल समावेशी हो–जहाँ हर वर्ग की भूमिका,पीड़ा,संघर्ष और उपलब्धि को ईमानदारी से दिखाया जाए – तो वह समाज को जोड़ने वाला हो सकता है। लेकिन जब रंगमंच केवल कुछ खास समूहों की पहचान और गौरव का उत्सव बन जाए, और बाकी समाज को दरकिनार कर दे, तो वह कला नहीं–सामाजिक अन्याय का विस्तार बन जाता है।

हमें ज़रूरत है एक ऐसे सांस्कृतिक आंदोलन की, जो रंगमंच और सिनेमा को फिर से आम जनता का माध्यम बनाए, न कि किसी वर्ग विशेष की सत्ता का औजार। जब तक हम यह नहीं कर पाते, तब तक यह सवाल हमारे सामने बना रहेगा–रंगमंच पर जाति का खेल कितना जायज़?

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

साइबर युग में फंसती जा रही आने वाली पीढ़ी

आज के समय में डिजिटल मीडिया हमारी जिंदगी का एक अभिन्न अंग बन चुका है। बच्चों और किशोरों के लिए इंटरनेट केवल एक मनोरंजन का माध्यम नहीं रहा, बल्कि यह उनके मानसिक विकास,सामाजिक पहचान और मूल्यों को आकार देने में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, लेकिन सवाल यह उठता है कि क्या यह डिजिटल युग हमारे बच्चों के लिए सुरक्षित है?क्या सोशल मीडिया कंपनियां मुनाफे की दौड़ में बच्चों की सुरक्षा को नजरअंदाज कर रही हैं? हाल के वर्षों में कई घटनाओं और शोध ने इस चिंता को और प्रबल कर दिया है कि किस प्रकार सोशल मीडिया के प्रभाव से किशोरों की मानसिकता और उनके व्यवहार पर नकारात्मक असर पड़ रहा है।फिक्की-ईवाई की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, 2024 में डिजिटल मीडिया ने टेलीविजन को पछाड़कर मनोरंजन उद्योग में सबसे अधिक राजस्व अर्जित करने वाला माध्यम बन गया है। भारत में 40 फीसद से अधिक मोबाइल फोन उपयोग का समय सोशल मीडिया पर बिताया जाता है। यह आंकड़ा बताता है कि इंटरनेट अब न केवल संचार का साधन है,बल्कि यह बच्चों की दुनिया का एक बड़ा हिस्सा बन चुका है। किशोरों के लिए सोशल मीडिया एक ऐसा मंच बन गया है जहां वे अपनी पहचान बनाते हैं, दोस्त बनाते हैं और खुद को अभिव्यक्त करते हैं, लेकिन इस जुड़ाव के गंभीर परिणाम भी सामने आ रहे हैं।नेटिफ्लक्स की चार-भागों वाली डॉक्यूमेंट्री किशोरावस्था ने इस मुद्दे को और गहराई से उजागर किया है। इसमें एक 13 वर्षीय लड़के द्वारा अपनी सहपाठी की हत्या की घटना को दिखाया गया है। यह एक चरम मामला हो सकता है, लेकिन इससे यह स्पष्ट होता है कि ऑनलाइन प्रभाव किस हद तक किशोर मन को प्रभावित कर सकता है। इंटरनेट पर मौजूद टॉक्सिक मैस्कुलिनिटी', घृणास्पद विचारधाराएं,और चरमपंथी विचारधाराएं किशोरों के मन में गहरी पैठ बना सकती हैं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स का एल्गोरिदम उपयोगकर्ताओं की रुचि के अनुसार कंटेंट प्रदर्शित करता है।

इस एल्गोरिदम का उद्देश्य अधिक से अधिक उपयोगकर्ताओं को प्लेटफार्म पर बनाए रखना है, भले ही इसके परिणाम किशोरों की मानसिकता पर नकारात्मक हों।एक बार अगर कोई किशोर किसी विशेष प्रकार की सामग्री देखने लगता है, तो एल्गोरिदम उसे लगातार उसी तरह की सामग्री दिखाने लगता है। यह प्रक्रिया किशोरों को रेबिट होल' में धकेल सकती है, जहां वे खुद को एक अंधकारमय और हानिकारक डिजिटल दुनिया में फंसा पाते हैं। जब भी किशोरों के गलत कार्य की बात होती है, तो स्वाभाविक रूप से माता-पिता पर जिम्मेदारी आती है, लेकिन सवाल यह भी उठता है कि क्या माता-पिता अकेले ही इस समस्या को हल कर सकते हैं? ऑनलाइन प्लेटफार्म्स पर बच्चों की गतिविधियों पर निगरानी रखना आज के दौर में अत्यंत कठिन हो गया है। बच्चे अक्सर अपने माता-पिता से छुपाकर सोशल मीडिया का उपयोग करते हैं और कई बार वे अपने वास्तविक उम्र से बड़ी उम्र का प्रमाण देकर प्रतिबंधों को पार कर लेते हैं। ऑस्ट्रेलिया जैसे कुछ देशों में 16 वर्ष से कम आयु के बच्चों के सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव लाया गया है, लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि ऐसे नियम व्यावहारिक रूप से प्रभावी नहीं हो सकते, क्योंकि किशोर अक्सर तकनीकी उपायों से इन प्रतिबंधों को दरकिनार कर सकते हैं। यह समस्या केवल परिवार तक सीमित नहीं है, बल्कि व्यापक स्तर पर नीति-निर्माण और सामाजिक चेतना का भी विषय है। फेसबुक की पूर्व कर्मचारी फ्रांसेस हॉगन ने 2021 में इस बात का खुलासा किया था कि कंपनी के आंतरिक अध्ययन से यह सामने आया कि सोशल मीडिया पर मौजूद चरमपंथी विचारधाराएं, आत्मघाती प्रवृत्तियां, और अवसादग्रस्त करने वाली सामग्री किशोरों के लिए हानिकारक साबित हो रही हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने अपने मुनाफे को प्राथमिकता दी और इन खतरों को रोकने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाए।इसलिए यह आवश्यक हो गया है कि इन प्लेटफार्मोंकी जवाबदेही तय की जाए। इस गंभीर समस्या का समाधान केवल व्यक्तिगत प्रयासों से संभव नहीं है, बल्कि इसके लिए व्यापक सामाजिक और सरकारी हस्तक्षेप की आवश्यकता है। सबसे पहले, कानूनी नियमन के तहत सरकारों को सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स के लिए सख्त नियम लागू करने होंगे, ताकि वे बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें। उदाहरण के लिए, आयु सत्यापन प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना आवश्यक है, जिससे नाबालिगों को अनुचित सामग्री से बचाया जा सके और उनकी ऑनलाइन गतिविधियों पर बेहतर नियंत्रण रखा जा सके। इसके साथ ही, शिक्षा और जागरूकता भी इस समस्या के समाधान में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। माता-पिता, शिक्षकों और बच्चों को डिजिटल साक्षरता के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। यदि इस मुद्दे को जल्द ही गंभीरता से नहीं लिया गया, तो आने वाली पीढ़ी एक ऐसे साइबर युग में फंस जाएगी, जहां मुनाफे की दौड़ में उनकी मानसिक और सामाजिक सुरक्षा दांव पर लगी होगी।

-नृपेंद्र अभिषेक नृप-

कविता
रक्तदान-महादान

घटती-घटना

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम गरियाबंद
छत्तीसगढ़

रक्त दान कर प्राण बचाते।
वे सच्चे मानव कहलाते।।
छद्म वेशधारी दुनिया में।
नव जीवन का मार्ग बनाते।।
नहीं देखते जाति धर्म जो।
पुण्य कर्म वे हैं अपनाते।।
करें दान आनंदित मन से।
जीवन की बगिया महकाते।।
रक्त दान ये महादान है।
आशाओं की लहर उठाते।।
वेद पुराणों की वाणी से।
यही मनुज ईश्वर कहलाते।।

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा। -सम्पादक

जल संकट पर सोचने का वक्त

विजय गर्ग
चांद मलोट
पंजाब

विश्व आर्थिक मंच की रिपोर्ट के अनुसार,वर्ष 2025 से 2027 के बीच जल आपूर्ति की कमी भारत के लिए सबसे गंभीर जोखिम के रूप में उभर सकती है। इससे पहले नीति आयोग ने चेतावनी दी थी कि देश की लगभग 60 करोड़ आबादी उच्च जल तनाव का सामना कर रही है। वास्तव में भारत गंभीर जल संकट की ओर बढ़ रहा है। देश में दुनिया की 18 प्रतिशत आबादी रहती है, पर केवल चार प्रतिशत जल संसाधन ही उपलब्ध हैं।

दरअसल जनसंख्या वृद्धि, शहरीकरण एवं उद्योगीकरण के कारण देश में जल की मांग लगातार बढ़ रही है,जिससे उपलब्ध जल संसाधनों पर अतिरिक्त भार पड़ रहा है। परिणामस्वरूप, वैश्विक स्तर पर उपयोग किए जाने वाले कुल भूजल का लगभग एक चौथाई हिस्सा केवल भारत में ही उपयोग किया जाता है। दूसरी ओर, जलवायु परिवर्तन के कारण मानसून के अनियमित होने से जलस्रोत सूखते जा रहे हैं। जल के जो भंडार उपलब्ध भी हैं, वे औद्योगिक अपशिष्ट और खेतों में रसायनों और कीटनाशकों के प्रयोग के कारण प्रदूषित होते जा रहे हैं। ऐसे जल का सेवन न सिर्फ असमय बीमार बनाता है, बल्कि अतिरिक्त आर्थिक दबाव भी बढ़ाता है। वहीं अकुशल जल प्रबंधन, पानी को सहेजने के प्रति नागरिक बोध का अभाव और जल की निर्मम बर्बादी भी चिंतित करती है। हालांकि देश के कुछ इलाकों में जल संकट पूरे वर्ष व्याप्त रहता है, लेकिन गर्मी के आगमन के साथ यह संकट और भी गहराने लगता है। देखा जाए तो यह संकट केवल स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता और गुणवत्ता तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका असर कृषि, उद्योग और मानव स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। पानी से जुड़ा संकट किसी देश के सामाजिक और आर्थिक विकास को प्रभावित कर सकता है। जल संकट के कारण कृषि पैदावार में कमी आ सकती है, जिससे देश में खाद्य संकट गहरा सकता है। ऐसे हालात में किसानों के साथ-साथ आम नागरिकों को महंगाई और उपलब्धता संबंधी परेशानी झेलनी पड़ सकती है। वहीं, औद्योगिक उत्पादन में कमी से देश की अर्थव्यवस्था चौपट हो सकती है। जल की निर्बाध आपूर्ति न होना मानसिक पीड़ा का भी कारण बन सकता है। समय पर जल उपलब्ध न होना, शुद्ध जल न मिलना तथा जल के लिए संघर्ष करना चुनौतीपूर्ण स्थितियां हैं। इस तरह जल किसी क्षेत्र विशेष, समुदाय या राष्ट्रीय स्तर पर सामाजिक-आर्थिक ताने-बाने को प्रभावित कर सकता है। बहरहाल जल संकट से उबरने के लिए जल संरक्षण को लेकर गंभीर होना अब विकल्प नहीं, आवश्यकता बन गई है। यह जिम्मेदारी केवल उन लोगों की नहीं है, जिन्हें जल कठिनाई से मिलता है, बल्कि उन लोगों की भी है, जिन्हें जल सहजता से उपलब्ध है। अतः प्रत्येक व्यक्ति को पानी की हर बूंद का मूल्य समझना होगा।

प्राकृतिक संसाधन की सुरक्षा हमारी नैतिक जिम्मेदारी

लक्ष्मीनारायण सेन
खुटेरी गरियाबंद (छ.ग.)

धरा में नदियों को स्वर्ग के समान आनंद प्रदाता समझा जाता है,और वास्तव में प्रकृति ने पूरे जैव समुदाय को एक अनुपम उपहार नदी भेंट किया है। नदी की पवित्र बहती कल-कल जल धारा धरती की सुंदरता पर चार चांद लगाता है। जहां जहां से होकर नदी गुजरती है उस स्थान को हर दृष्टि कोण से समृद्ध करती है,और वहां के रहवासी को संपन्न करती है।नदी की जलधारा कहीं पर बांध को निर्मित करती है, तो कहीं पर्वत पर अपना स्वरूप को बदल कर जलप्रपात के रूप में परिणित हो जाती है। सिंचाई का एक महत्वपूर्ण साधन नदी और नदी पर बना बांध की जल है।धरा की श्रृंगार में नदी की अनुपम योगदान को विस्मित नहीं किया जा सकता है, क्योंकि धरा पर खेत खलिहानों पर, मैदानों की हरियाली में नदी की जल का भी एक महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

नदी का स्वरूप आज बदलते जा रहा है और इसमें प्रकृति का योगदान तो नहीं पर मानवीय क्रियाकलाप निश्चित तौर पर जिम्मेदार है।एक जमाने में नदी की पानी को सबसे पवित्र समझा जाता था और प्रत्यक्ष रूप रूप से नदी पेय जल स्रोत हुआ करता था पर आज नदी का जल प्रदुषित होते जा रहा है और मानव नदी के जल का उपभोग पीने मे प्रत्यक्ष रूप से नहीं करता।

आज पर्यावरण संरक्षण पर शासन और समाज के द्वारा कई योजनाएं संचालित हो रही है पर पहले हसदेव और वर्तमान मे हैदराबाद में पेड़ की अंधाधुंध कटाई विश्लेषण योग्य बातें हैं, जो आम नागरिक को सोचने के लिए मजबूर कर देता है। पर्यावरण संरक्षण का अभिप्राय पर्यावरण दिवस, जन्म दिवस या किसी के स्मृति में केवल एक वृक्षारोपण कर देने से कतई नहीं लगाना चाहिए। पर्यावरण संरक्षण के लिए बहुत सारी बातें को अपनी व्यवहार में शामिल करना होगा, जैसे बाजार गये वहां कभी भी पालीथिन से कभी कोई समान ना मांगे,साल में कम से कम एक पौधा रोपें और बढ़ते तक उनको संरक्षण प्रदान करें,किसी वस्तु को ना जलाएं,खेती में हम जैविक खेती को अपनाएं, सामूहिक भोग में प्लास्टिक से बने दोना पत्तल का प्रयोग ना करें इनके स्थान पर पौधें की पत्ते या थाली का उपयोग करें, ऊर्जा गत कार्यो के लिए सौर ऊर्जा का उपभोग हम करें, वृक्षों की कटाई पर हम हस्तक्षेप करें इस प्रकार हम छोटी छोटी बातों को ध्यान में रखेंगे तभी हम पर्यावरण संरक्षण को परिभाषित कर पायेंगे।

आज हम अपनी स्वार्थ के लिए प्रकृति के साथ खेलते जा रहें हैं,जैसे औद्योगिककरण के लिए वनों की कटाई, बेजुबान जानवरो पर प्रयोग के तौर पर कृत्रिम गर्भाधान की प्रक्रिया, अधिक पैदावार हेतु रासायनिक खाद का प्रयोग, भू गत जल का अनियंत्रित दोहन तथा भू खनिज हेतु भू उत्खनन तथो प्राणियों को मार कर हम सौन्दर्य संसाधन बनाते हैं।

प्रकृति से जितने भी संसाधन हमे मिला है, वह सारे हमारे और हमारे आने वाले पीढ़ी के लिए अद्वितीय वरदान है। प्रकृति प्रदत्त सारे संसाधन चाहे वह जैव हो या अजैव सबको सुरक्षित रखना हम सब के नैतिक जिम्मेदारी है। प्रकृति प्रदत्त संसाधन की सुरक्षा पूरे जैव समुदाय की सुरक्षा है,और यदि यह सुरक्षित नहीं है तो ना हम सुरक्षित है और ना ही हमारे आने वाले पीढ़ी सुरक्षित रहेगें,यह तथ्य हमें अपने जहन में सदा के लिए उतार लेना चाहिए।

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

CMYK

ब्रम्हाकुमारी राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी को दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केन्द्र,चोपड़ा पारा,अम्बिकापुर में प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी के 101 वर्ष की उम्र में देवलोक गमन पश्चात् सरगुजा के स्वैच्छिक संगठनों, प्रशासनिक अधिकारियों, विभिन्न सामाजिक एवं आध्यात्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों द्वारा श्रद्धा सुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केन्द्र अम्बिकापुर की मुख्य संचालिका विद्या दीदी ने राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि नारी शक्ति के सबसे बड़े संगठन ब्रम्हाकुमारीज की मुखिया राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी स्थापना से लेकर आज तक ब्रम्हाकुमारीज नारी शक्ति को वटवृक्ष बनने तक साक्षी रही हैं। राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी ने मात्र 13 वर्ष की आयु में ब्रम्हाकुमारीज से जुड़कर जीवन पर्यन्त तक समाज कल्याण हेतु अपने को समर्पित कर दिया।उनका जन्म 25 मार्च 1925को सिंध हैदराबाद में हुआ था। उन्होंने 50 हजार ब्रम्हाकुमारीज पाठशालाओं का सफलतापूर्वक संचालन किया।5500 ब्रम्हकुमारीज सेवा केन्द्र उनके मार्गदर्शन में संचालित हुए। अपने सेवा काल के दौरान सन् 1956 से सन् 1969 तक मुम्बई में अपनी सेवाएं दीं।सन् 1954 में जापान में आयोजित विश्व शांति सम्मेलन में प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज संस्थान का प्रतिनिधित्व उनके द्वारा किया गया। विश्व शांति एवं युवाओं में आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने के उद्देश्य से 2006 में उनके द्वारा किए गए युवा पद यात्रा को लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज किया गया। दादी रतनमोहिनी जी में

एक कुशल प्रशासिका के साथ साथ अद्भुत प्रशिक्षिका का दायित्व अपने सेवा काल के दौरान निभाया।दादी रतनमोहिनी जी के सानिध्य में किए गए आध्यात्मिक यात्रा,ध्यान, मुरली को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व को याद किया। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सरगुजा अमोलक सिंह ढिल्लो ने राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि मानव समाज में महापुरुषों का अवतरण मानव समाज को नई दिशा देने के लिए होता है।उसी दिशा में परम आदरणीय राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी का सकारात्मक सामाजिकता,धार्मिकता आध्यात्मिकता के प्रचार-प्रसार एवं क्रियान्वयन में अमूल्य योगदान रहा। वरिष्ठ समाजसेवी नवा बिहान संयोजक निदेशक चिराग सोशल वेलफेयर सोसायटी मंगल पाण्डेय ने राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी के व्यक्तित्व, कृतित्व,आदर्श एवं जीवन शैली को आत्मसात करना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। युवा उर्जावान समाजसेवी समन्वयक नवा बिहान मुख्यकार्यकारी छत्तीसगढ़ प्रचार एवं विकास संस्थान अनिल मिश्रा ने दादी रतनमोहिनी जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि ऐसी महान विभूतियों का देवलोकगमन नहीं होता, बल्कि ईश्वर उन्हें नई जिम्मेदारियों की भूमिका के निर्वहन के लिए भोतिक रुप से हमसे अलग कर दिया है। दादी का साथ सदैव हम सभी के साथ रहेगा। वरिष्ठ समाजसेवी अजय तिवारी जी आर्ट ऑफ लिविंग ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि शिव बाबा के द्वारा संवारी सजाई गई लक्ष्मी जी जो आगे चलकर रतनमोहिनी के रूप में इस विशाल ब्रम्हाकुमारीज परिवार को विश्व कल्याण हेतु प्रशिक्षित एवं प्रेरित किया। वरिष्ठ समाज सेविका सुश्री वंदना दत्ता ने कहा कि विश्व कल्याण हेतु मातृ शक्ति को संगठित कर प्रशिक्षित एवं प्रेरित किया। ऐसी महान विभूति दादी रतनमोहिनी जी के अधूरे कार्यों को पूरा करना ही उनके प्रति हम सभी की सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित होगी। पूर्व पार्षद भाजपा नेता रमेश जायसवाल,पूर्व पार्षद भाजपा नेता वरिष्ठ करता राम गुप्ता जी, युवा समाजसेवी अंचल ओझा सरगुजा साइंस ग्रुप एवं एजुकेशनल सोसायटी, युवा समाजसेवी विजय उपाध्याय अध्यक्ष ओम् फाउंडेशन,वरिष्ठ समाजसेवी अधिवक्ता विजय शंकर तिवारी मुख्य ट्रस्टी राजेन्द्र नाथ तिवारी फाउंडेशन,युवा समाजसेविका सुश्री सुनिधि शुक्ला अध्यक्ष शियती सोशल वेलफेयर सोसायटी,बी के भ्राता बी एस कटलारिया,बी के भ्राता सुरेन्द्र दुबे, विभिन्न सामाजिक संगठनों,आध्यात्मिक संगठनों,राजनैतिक संगठनों,प्रशासनिक अधिकारियों कर्मचारियों,मीडिया एवं ब्रम्हकुमारीज सेवा केन्द्र से जुड़े साधकों ने राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी जी को अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित किया।

अग्निशमन सुरक्षा की ड्यूटी के दौरान शहीद हुए कर्मचारियों को किया गया याद

- संवाददाता -
अंबिकापुर,14 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

भारत सरकार के गृह मंत्रालय, अग्निशमन सलाहकार के मार्गदर्शन में पूरे देश में अग्निशमन सुरक्षा सप्ताह प्रारंभ हुआ। इसी क्रम में अंबिकापुर में सोमवार को अग्निशमन इकाई के फायर स्टेशन से जागरूकता रैली प्रारंभ की गई। रैली का शुभारंभ संभागीय सेनानी राजेश पांडे एवं जिला सेनानी कठुतिया ने हरी झंडी दिखाकर किया। रैली अंबिकापुर शहर के प्रमुख मार्गों से होकर नगर सेना कैंप में समाप्त हुई।

रैली के समापन पर संभागी सेनानी ने अग्निशमन विभाग के कर्मचारी, एसडीआरएफ तथा सैनिकों को आगामी सप्ताह में किए जाने वाले अग्निशमन संबंधी रचनात्मक कार्यों के बारे में जानकारी और सुझाव देते हुए बताया कि कार्यक्रम के तहत संभाग स्तरीय फायर ड्रिल की प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। जिसमें प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार और अन्य आकर्षक पारितोषिक भी प्रदान किए जाएंगे। उन्होंने संभाग स्तरीय तैयारी शुरू करने का आह्वान किया। अंत में अग्निशमन सुरक्षा की ड्यूटी के दौरान शहीद हुए कर्मचारियों को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित करके कार्यक्रम का समापन किया गया। बता दें 14 अप्रैल 1944 को मुम्बई बंदरगाह विक्टोरिया डॉकयार्ड पर फोर्टस्टीकिंस नामक मालवाहक जहाज खड़ा था, जिसमें 1200 टन विस्फोटक, कपास और तेल के ड्रम एवं युद्ध के उपकरण भरे हुए थे,इसमें अकस्मात भयानक आग लग गई थी। मुम्बई के अग्निशमन दल के जवान आग को बुझाने की लगातार कोशिश कर रहे थे। आग बुझाते समय जहाज में विस्फोटक सामग्री होने के कारण भयानक विस्फोट हुआ और मुम्बई नगरी ही नहीं बल्कि पूरा देश हिल गया। आगजनी में आग बुझाने वाले दमकल के 66 अग्निशमन कर्मी आग की लपेट में आकर वीरगति को प्राप्त हुए थे। इन बहादुर अग्निशमन कर्मियों की स्मृति में प्रत्येक वर्ष 14 अप्रैल को अग्निशमन दिवस और 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक अग्निशमन दल द्वारा अग्नि सुरक्षा सप्ताह मनाया जाता है।

आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा का है अभिन्न हिस्सा

- संवाददाता -
अंबिकापुर,14 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

बिलासपुर स्थित जल संसाधन विभाग के प्रार्थना भवन में रविवार को छत्तीसगढ़ आयुर्वेद अधिकारी संघ की प्रांतीय प्रतिनिधि साधारण सभा का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में तखतपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक धर्मजीत सिंह उपस्थित रहे। सभा में सरगुजा सहित 23 जिलों से आए आयुर्वेद चिकित्सक, जिला अध्यक्ष एवं संघ के पदाधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल संगठन के आगामी प्रांतीय चुनाव का संचालन था,

बल्कि आयुर्वेद चिकित्सकों की लंबित मांगों को शासन के समक्ष प्रभावी रूप से प्रस्तुत करना भी रहा। मुख्य अतिथि धर्मजीत सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति छत्तीसगढ़ की संस्कृति और परंपरा का अभिन्न हिस्सा है। विशेषकर हमारे आदिवासी बहुल क्षेत्रों में कार्यरत आयुर्वेद चिकित्सकों की सेवाएं अत्यंत सराहनीय हैं। उन्होंने चिकित्सकों को होने वाली समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन भी शासन स्तर पर दिया। इस दौरान आयुर्वेद अधिकारी संघ के जिलाध्यक्ष डॉ. आशुतोष सिंह आयुष विंग जिला चिकित्सालय अम्बिकापुर भी शामिल रहे। इस दौरान संघ के प्रांतीय निर्वाचन में निम्न पदाधिकारियों का चयन किया गया जो इस प्रकार है। अध्यक्ष डॉ. गदाधर पंडा, उपाध्यक्ष डॉ. प्रशांत कश्यप, डॉ. कोमल सिंह डोटे, महामंत्री डॉ. अजय नायक, रमेश खुटे,डॉ. प्रशांत रावत,डॉ. अतुल परिहार,कोषाध्यक्ष डॉ. शिशिर साहू, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य - डॉ. एलआर भगत, डॉ. मुकेश माहौर,डॉ. तनुजा चंद्राकर,डॉ. दिवाकर त्रिपाठी हैं।

बाबा साहब ने समाज में समानता की उठाई थी आवाज

- संवाददाता -
अंबिकापुर,14 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती पर सोमवार को जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय राजीव भवन में कांग्रेसजनों द्वारा उनके तस्वीर पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बाबा साहेब की जयंती पर आयोजित सभा में राष्ट्र के प्रति उनके योगदान की वर्तमान राजनीतिक परिप्रेक्ष्य पर गहन चर्चा भी हुई। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि यह नारा आज के अघोषित आपातकाल में प्रासंगिक हो गया है। भाजपा द्वारा सत्ता में बने रहने के लिए समाज में फैलाए जा रहे झूठ पर हमें शिक्षित होना है, भाजपा के विभाजन कारी नीतियों के विरोध में हमे संगठित होना है और देश मे लोकतंत्र की पुनः स्थापना के लिए संघर्ष करना है। सभा को संबोधित करते हुए 20 सूत्रीय कार्यक्रम के पूर्व उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल ने कहा कि बाबा साहब ने अस्पृश्यता के खिलाफ संघर्ष करके आजाद भारत के संविधान के माध्यम से इसे अप्रासंगिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आज मनुस्मृति के पैरोकारों के शासन में एक दलित राजनेता के मंदिर प्रवेश पर उसे भाजपाई गंगाजल से धुलवा रहे हैं। सभा को संबोधित करते हुए निगम में नेता प्रतिपक्ष शफी अहमद ने कहा कि बाबा साहब ने समाज मे समानता की आवाज उठायी थी। इस दिशा में

कदम उठाते हुए उन्हें संविधान सभा में मत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी गई थी। संविधान के निर्माण के बाद कांग्रेस के शासन में इस दिशा में मत्वपूर्ण पहल किये गए जिसके सकारात्मक परिणाम सामने आये। लेकिन पिछले10 वर्षों में जिस प्रकार से संविधान को तार तार किया गया है उससे बाबा साहब के समानता की अवधारणा को चोट पहुंची है। सभा को संबोधित करते हुए पूर्व महापौर डॉ. अजय तिर्की ने कहा कि बाबा साहब के बनाये हुए संविधान के माध्यम से नागरिकों का हित केवल कांग्रेस ही कर सकती है। सभा को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष जेपी श्रीवास्तव ने कहा कि बाबा साहब के द्वारा दिया गया भारत का संविधान भारत के नागरिकों के लिए गीता, क़ुरान, बाइबिल और गुरुग्रंथ साहिब की तरह है और भारत का नागरिक गीता, क़ुरान,बाइबिल और गुरुग्रंथ साहिब की तरह पवित्र संविधान के साथ छेड़छाड़ बर्दाश्त नही करेगा। सभा को संबोधित करते हुए पीसीसी महामंत्री द्वितेंद्र मिश्रा ने बाबा साहब के जीवनी पर प्रकाश डालते हुए यह संदेश दिया कि जिस प्रकार बाबा साहब ने तत्कालीन समाज में जातिवाद और भेदभाव के खिलाफ संघर्ष छेड़ा था, आज के भयावह राजनीतिक परिस्थितियों में ऐसे ही राजनीतिक संघर्ष की आवश्यकता है। सभा को अन्य कई वक्ताओं ने भी संबोधित किया। इस दौरानमो शफीक खान, मो इस्लाम,विनय शर्मा,दुर्गेश गुप्ता, जगन्नाथ कुशवाहा,रामविनय सिंह, रशीद अहमद अंसारी,मदन जायसवाल,सीमा सोनी,संजय विश्वकर्मा, अरविंद कुमार सिंह, हेमंत तिवारी, गीता प्रजापति,विनीत जायसवाल, अनिल सिंह, राजीव अग्रवाल,लालचंद यादव, लक्ष्मी गुप्ता, पपिन्दर सिंह, मो हसन, कलीम अंसारी, मो बाबर , अनूप मेहता, अशफाक अलि, गुरुप्रीत सिद्धू, दिनेश सोनी, मो जमील, प्रशांत सिंह, प्रमोद चौधरी, बालकेश्वर तिर्की, नरेंद्र विश्वकर्मा, अजय सिंह, आलोक सिंह, मेराज रंगरेज, लोकेश पासवान,अमित वर्मा, निखिल विश्वकर्मा, सुदामा कुर्रे, नीतीश कुमार चौरसिया, शुभम जायसवाल,सतीश बारी,चंद्रप्रकाश सिंह, विवेक सिंह, आशीष जायसवाल, आतिश शुक्ला,अमित सिंह, दिलीप धर,अमित तिवारी राजा, दिनेश कुमार शर्मा, मिथुन सिंह,संजय सिंह, सूरज यादव, गंगा प्रसाद, देव प्रताप सिंह,शकील सिद्दकी,मंजू सिंह, अनिता सिन्हा,सौरभ फिलिप, रोशन कन्नौजिया, बिज्जू गुप्ता, दुर्गा गुप्ता, साधना कश्यप, मोमिन खातून, रश्मि सोनी सपना सिन्हा, संगीत मिंज, रविरंजन पाल,बैजनाथ,सावित्री ठाकुर,अशोक कुमार सिंह, अविनेन्द्र सिंह, मो अख्तर फिरदौसी,विकास दुबे, अविनाश कुजूर, मनोज सिंह भदौरिया, वीरेंद्र पाठक,ऋसभ जायसवाल, अंकित जायसवाल आदि मौजूद थे।

फेसबुक में भाजपा-भाजयुमो के नेता को दी गाली, किया अभद्र कमेंट

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

फेसबुक में भाजपा व भाजयुमो नेता से गालीगलौज और अमर्यादित कमेंट करने के मामले में कोतवाली थाना पुलिस ने आईडी धारक के नाम से केस दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।

देवीगंज रोड निवासी भाजयुमो प्रदेश कार्य समिति के सदस्य अमोघ कश्यप ने पुलिस को बताया है कि छत्तीसगढ़ शासन में मंत्री राम विचार नेताम के सोशल मिडिया हेंडल से 11 अप्रैल को फेसबुक में प्रमोद गुप्ता को सनावल मंडल का मंडल अध्यक्ष बनाने पर बधाई दी गई थी, जिसमें वह भी कमेंट करके बधाई दिया था। इसके बाद उनके कमेंट पर रिप्लाई करते हुए कोई उदयवीर सिंह अग्रवाल नामक व्यक्ति अपने यूआरएल आईडी से अभद्र भाषा का उपयोग करते हुए उन्हें व पूरे परिवार के बारे में अभद्र शब्दों का प्रयोग करते हुए कमेंट किया गया, साथ ही भाजपा सरगुजा के कोषाध्यक्ष राजकुमार बंसल को भी कमेंट कर गाली-गलौज किया गया है। सोशल मीडिया में गाली-गलौज और अभद्र टिप्पणी से वे खुद को अपमानित महसूस कर रहे हैं। रिपोर्ट पर पुलिस आरोपी के विरूद्ध केस दर्ज करके अग्रिम जांच, कार्रवाई मं जुट गई है।

महिला के गले से सोने का चेन चोरी

- संवाददाता -
अंबिकापुर, 14 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

लुण्ड्रा थाना क्षेत्र अंतर्गत लमगांव मंदिर में दर्शन करने के दौरान महिला के गले से सोने की चेन अज्ञात लोगों ने चोरी कर लिया। रूपेश अग्रवाल पिता सुभाष चंद्र अग्रवाल 39 वर्ष, निवासी बगीचा हाईस्कूल चैक जिला जशपुर ने पुलिस को बताया है कि 12 अप्रैल को हनुमान जयन्ती के अवसर पर वह अपने पिता सुभाष चन्द्र अग्रवाल एवं मां संतोष अग्रवाल के साथ दर्शन करने के लिए लमगांव हनुमान मंदिर गया था। पूजा-पाठ करने के बाद करीब 10.30 बजे सुबह वे मंदिर से निकल रहे थे, इसी बीच उनकी मां संतोष अग्रवाल के गले से 3 तोला, (करीब 30 ग्राम) का सोने का चेन अज्ञात व्यक्ति चोरी कर लिया। रिपोर्ट पर पुलिस ने अपराध दर्ज कर लिया है।

71 ग्राम पंचायतों के साथ अटल डिजिटल सुविधा केंद्र हेतु हुआ अनुबंध

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,14 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय सामाजिक समरसता दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में अम्बिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, लूण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज, जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह, जिला पंचायत उपाध्यक्ष देवनारायण यादव, अम्बिकापुर महापौर मंजूषा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे।

इस अवसर पर सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न समाजों के प्रमुखों को शॉल और श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। सम्मान प्राप्त करने वालों में पहाड़ी कोरबा समाज के अध्यक्ष नेतराम, कोरबा समाज के अध्यक्ष खरू राम,

नगेसिया समाज के अध्यक्ष रसिया राम, पंडो समाज के अध्यक्ष शिवराम पंडो, मझवार समाज के अध्यक्ष सहदेव राम,रविदास समाज के अध्यक्ष शंकर रवि,कोषाध्यक्ष विजय पार्डे, सचिव गुप्तेश्वर रवि,मझवार समाज के ब्लॉक अध्यक्ष दशरथ मझवार, माझी समाज के जिला अध्यक्ष सुनील मांझी और झांसी समाज के अध्यक्ष एसएस हरीवंशी प्रमुख रूप से शामिल रहे। कार्यक्रम का एक अन्य प्रमुख आकर्षण रहा अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्र को लेकर हुआ महत्वपूर्ण समझौता। जिले की 71 ग्राम पंचायतों में डिजिटल सुविधा केंद्र स्थापित करने के लिए वीएलई (विलेज लेवल एंटरप्रेन्योर) और सरपंचों के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इन सुविधा केंद्रों का शुभारंभ आगामी 24 अप्रैल को राष्ट्रीय पंचायत दिवस के अवसर पर किया जाएगा। लूण्ड्रा विधायक प्रबोध मिंज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ भीमराव अम्बेडकर डॉ. अंबेडकर ने समाज में समानता, भाईचारा और न्याय की स्थापना की, राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए सामाजिक समरसता की भावना होनी आवश्यक है, उन्होंने कहा कि विष्णु की सरकार समाज के सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। वहीं अम्बिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर केवल संविधान निर्माता ही नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के प्रतीक हैं। उनके विचार आज भी देश को दिशा देने वाले हैं। उन्होंने समाज के वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों के अधिकारों के भारत का संविधान दिया, जोकि हर नागरिक को बराबरी का अधिकार प्रदान करता है।

झूठे और राजनीति से प्रेरित आरोप, गिरफ्तारी वारंट पर लंदन में रह रही शेख हसीना की भतीजी का बयान

लंदन,14 अप्रैल 2025। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की भतीजी और ब्रिटेन की लेबर पार्टी की सांसद ट्यूलिप सिद्दीक ने बांग्लादेश में अपने खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोप में जारी गिरफ्तारी वारंट पर प्रतिक्रिया दी है। ट्यूलिप ने इन आरोपों को पूरी तरह से झूठा और राजनीति से प्रेरित बताया है। उन्होंने कहा कि उन्होंने कोई गलत काम नहीं किया है और बांग्लादेश में उनके खिलाफ जारी कथित गिरफ्तारी वारंट की जानकारी

तक नहीं दी गई।

बता दें कि ढाका के भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) ने हाल ही में ट्यूलिप सिद्दीक के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने की रिपोर्ट सामने रखी थी। आरोप है कि उन्होंने अवैध रूप से ढाका में एक जमीन का भूखंड हासिल किया। लेकिन सिद्दीक ने इन आरोपों को नकारते हुए कहा कि मेरे पास कभी भी बांग्लादेश में कोई ज़मीन नहीं रही है और न ही मैंने किसी को ज़मीन दिलवाने के लिए अपनी ताकत का इस्तेमाल किया है।

वारंट को बताया साजिश

लंदन में अपनी गिरफ्तारी वारंट के बारे में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्यूलिप सिद्दीक ने कहा कि यह एक राजनीतिक साजिश है, जो उनकी छवि को खराब करने के लिए बनाई गई है। उन्होंने बताया कि उनके वकीलों ने कई बार बांग्लादेशी अधिकारियों से संपर्क किया,लेकिन कोई जवाब नहीं मिला। साथ ही उनके प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि ट्यूलिप सिद्दीक के खिलाफ अब तक कोई आधिकारिक आरोप नहीं लगाए गए हैं और भ्रष्टाचार के आरोप पूरी तरह निराधार हैं।

यूके के ट्रेजरी पद से दे चुकी हैं इस्तीफा

गौरतलब है कि ट्यूलिप ने जनवरी 2024 में ब्रिटेन सरकार में अपने ट्रेजरी मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया था। उन्होंने कहा था कि उनके पारिवारिक रिश्ते सरकार के काम में बाधा बन रहे थे, हालांकि उन्होंने दोहराया कि उन्होंने कोई नियम नहीं तोड़ा और मंत्रिस्तरीय संहिता का उल्लंघन नहीं किया।

परमाणु समझौते को लेकर रोम में होगी अमेरिका और ईरान की अगली बैठक, ट्रंप लगातार बना रहे दबाव

रोम,14 अप्रैल 2025। ईरान और अमेरिका के बीच परमाणु समझौते को लेकर अगली बैठक रोम में हो सकती है। इटली के अधिकारियों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया गया है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र संघ के परमाणु निगरानी संस्था के प्रमुख भी इस हफ्ते के अंत में ईरान का दौरा कर सकते हैं। इस दौरान ईरान के परमाणु कार्यक्रम की निगरानी बढ़ाने को लेकर चर्चा हो सकती है। अमेरिका और ईरान की बातचीत बेहद अहम है और अगर सबकुछ सही रहा तो इससे अमेरिका और ईरान के रिश्तों में बेहतरी हो सकती है।

ट्रंप बना रहे दबाव

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार ईरान पर परमाणु समझौते का दबाव बना रहे हैं। उनका कहना है कि अगर परमाणु समझौते पर सहमति नहीं बनी तो वे ईरान के परमाणु कार्यक्रमों पर हवाई हमले का आदेश दे देंगे। वहीं ईरान के अधिकारी लगातार चेतावनी दे रहे हैं कि वे यूरेनियम के भंडार को समृद्ध करके परमाणु हथियार बनाने की कोशिश कर सकते हैं। दोनों देशों की बातचीत की मध्यस्थता ओमान कर रहा है। दोनों देशों के बीच पहली बैठक भी ओमान की राजधानी मस्कट में हुई थी। हालांकि अभी तक इसे लेकर ईरान या अमेरिका की तरफ से कोई बयान जारी नहीं किया गया है। इटली की सरकार के एक अधिकारी ने पहचान जाहिर न करने की शर्त पर बताया कि अमेरिका और ईरान के बीच रोम में अगली बैठक हो सकती है। इससे पहले इटली के विदेश मंत्री ने भी जापान दौरे पर बताया था कि उन्होंने अमेरिका और ईरान की बैठक की मंजूरी दे दी है।

संयुक्त राष्ट्र के परमाणु कार्यक्रम निगरानी संस्था के प्रमुख भी करेंगे ईरान का दौरा

इस सबके बीच संयुक्त राष्ट्र की संस्था इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी के प्रमुख राफेल मारिनो ग्रोसी भी इस हफ्ते के अंत में ईरान का दौरा करेंगे। IAE ने ही साल 2015 में अमेरिका और ईरान के बीच हुए परमाणु समझौते में अहम भूमिका निभाई थी। हालांकि साल 2018 में राष्ट्रपति ट्रंप के पहले कार्यकाल में अमेरिका इस डील से पीछे हट गया था।

2015 में हुए परमाणु समझौते के तहत ईरान ने अपने यूरेनियम संवर्धन को कम किया था औरल दावा किया गया कि सिर्फ पावर प्लांट की जरूरत के लिए 3.67 प्रतिशत ही यूरेनियम का संवर्धन किया। इस समझौते के तहत ईरान पर लगे प्रतिबंध हट गए और उसकी दुनियाभर में मौजूद संपत्तियों को मुक्त कर दिया गया। हालांकि समझौते के टूटने के बाद फिर से ईरान पर प्रतिबंध लागू हो गए।

तिब्बत मामले में चीन का करारा जवाब, कार्रवाई में शामिल अमेरिकी कर्मचारियों पर लगाया वीजा प्रतिबंध

बीजिंग,14 अप्रैल 2025। चीन ने सोमवार को अमेरिका के कुछ कर्मियों पर वीजा प्रतिबंध लगा दिए हैं। चीन का ये प्रतिबंध उन अमेरिकी कर्मचारियों और अधिकारियों के खिलाफ लिया गया है जो, चीन के अनुसार, तिब्बत (चीन का शिजांग) से जुड़े मुद्दों पर बड़ी कार्रवाई में शामिल रहे हैं। बता दें कि चीन द्वारा लिया गया ये फैसला वाशिंगटन द्वारा चीनी अधिकारियों पर लगाए गए अतिरिक्त वीजा प्रतिबंधों के जवाब में लिया गया है।

बता दें कि तिब्बत को लेकर लंबे समय से अमेरिका और चीन के बीच राजनयिक तनाव बना हुआ है। अमेरिका ने चीन पर यह आरोप लगाया है कि वह तिब्बती लोगों की

धार्मिक और सांस्कृतिक स्वतंत्रता पर पाबंदियां लगाता है, जबकि चीन इसे झूठा प्रचार मानता है और तिब्बत को अपना अभिन्न हिस्सा बताता है।

चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता का बयान

मामले में जानकारी देते हुए चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने एक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि तिब्बत चीन का आंतरिक मामला है और इसमें किसी बाहरी दखल को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यह प्रतिबंध अमेरिका की ओर से हाल ही में चीनी अधिकारियों पर लगाए गए वीजा प्रतिबंधों के जवाब में लगाए गए हैं।

साथ ही लिन जियान ने आगे कहा कि हम स्वागत करते हैं कि विदेशी लोग शिजांग (तिब्बत) आएं, यात्रा करें और व्यापार करें, लेकिन हम इसका विरोध करते हैं कि कोई मानवाधिकार या संस्कृति के नाम पर हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करे। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग तिब्बत की यात्रा को हस्तक्षेप और तोड़फोड़ का जरिया बनाना चाहते हैं, जिसे चीन स्वीकार नहीं करेगा।

अमेरिका ने क्यों लगाया प्रतिबंध, समझिए

गौरतलब है कि अमेरिका ने 31 मार्च को एक बयान में कहा था कि वह ऐसे चीनी अधिकारियों पर वीजा प्रतिबंध लगाएगा, जो तिब्बती इलाकों में विदेशी पत्रकारों, पर्यटकों और पर्यवेक्षकों के प्रवेश को रोकने में शामिल हैं। यह कदम 2018 के पारस्परिक तिब्बत पहुंच अधिनियम के तहत उठाया गया, जिसके अनुसार अगर चीन अमेरिकी नागरिकों को तिब्बत जाने से रोकता है, तो उसे भी इसी तरह की कार्रवाई का सामना करना होगा।

विवाहिता का अश्लील फोटो और विडियो वायरल,एक माह पूर्व मिली थी धमकी

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,14 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

कोतवाली थाना क्षेत्र की एक महिला ने एक व्यक्ति के द्वारा फेक आईडी बनाकर अश्लील फोटो एवं विडियो वायरल करने की जानकारी पुलिस को दी है और इस कृत्य में सिक्कर राजस्थान के एक व्यक्ति के शामिल होने का दावा किया है। पुलिस ने शाहरूख राईन नामक युवक के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है।

महिला के द्वारा फेक आईडी बनाकर अश्लील फोटो व विडियो वायरल करने के संबध में पूर्व में 18 मार्च को थाने में प्राथमिकी दर्ज कराया था, जिसमें उन्होंने सिक्कर राजस्थान के इदका रोड वार्ड क्रमांक-2 निवासी शाहरूख राइन पिता अहमद राइन 27 वर्ष के द्वारा अलग-अलग मोबाइल नंबर से फोन करके परेशान करने की जानकारी पुलिस को दी थी। इन हरकतों के बाद 8 अप्रैल को रोशनी सिंह नाम से एक आईडी में अश्लील फोटो व विडियो वायरल करने का मामला सामने आने पर महिला ने कोतवाली थाना जाकर इसकी जानकारी दी है। महिला ने पुलिस को बताया है यह हरकत शाहरूख राइन का ही है, जो उसे अश्लील विडियो व फोटो वायरल करने की धमकी पूर्व में दे चुका है। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध केस दर्ज कर लिया है और वैधानिक कार्रवाई कर रही है।

सूने मकान में लगी आग, बैग में रखे 5 लाख रुपए जलकर खाक

- संवाददाता -
अम्बिकापुर, 14 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

शहर के वसुंधरा विहार कॉलोनी में स्थित सूने मकान में 11 अप्रैल को अज्ञात व्यक्ति द्वारा आगजनी की घटना को अंजाम दिए जाने से करीब 5 लाख रुपए सहित अन्य सामान जलकर खाक हो गया। पीड़ित युवक ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई है। जानकारी के अनुसार सुधाकर सिंह उर्फ चुन्नु गांधीनगर थाना क्षेत्र के वसुंधरा विहार कॉलोनी में किराए के मकान में रहता है। 11 अप्रैल की दोपहर 3 बजे निजी काम से सुधाकर घर से बाहर गया था। इधर उसकी पत्नी अपने बच्चों के साथ मायके चली गई थी। घर में ताला बंद था। लगभग 4 बजे मकान मालिक विजय लाल ने सुधाकर को मोबाइल से जानकारी दी की तुम्हार घर में आग लग गया है। सूचना पर वह घर पहुंचा। घर के एक रूम में आग लगा था तब घर के पीछे लगे नल के पानी से आग को बुझाया। तब तक कमरे में रखे कपड़े, सामान एवं एक बैग में रखे करीब 5 लाख रूपये जलकर खाक हो गया। सुधाकर ने मामले की रिपोर्ट गांधीनगर थाने में दर्ज कराई है। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

माननीय श्री राजेश अग्रवाल के द्वारा चलतो फिरतो पियाऊँ का किया गया उदघाटन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,14 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

हर वर्ष की भाँति अम्बिकापुर के प्रतिष्ठीत व्यक्ति जो कि पेशे से व्यवसायी है, रमेश केडिया के द्वारा चलतो-फिरतो पियाऊँ को पूरे अम्बिकापुर में घुमा कर लोगों को पानी तथा सरबत पिलाया जाता है जो इस वर्ष 14 अप्रैल से शुरू कर दिया गया है तथा इसका उद्घाटन माननीय राजेश अग्रवाल जी (विधायक) के द्वारा किया गया। विधायक जी ने श्री रमेश केडिया जी को बधाई तथा शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आप पूरे संभाग तथा राज्य के युवाओं तथा सभी लोंगों के लिए आदर्श बन चुके है आप जैसे लोगों की जरूरत हमारे समाज को है बोलते हुए बहुत-बहुत बधाई दी। रमेश केडिया पिछले 10 सालों से लगातार यह समाज सेवा का कार्य कर रहे हैं। इनका व्यवसाय केडिया सेन्ट्रिग, श्री श्याम लाइब्रेरी तथा साकेत टेण्डर्स

है। रमेश केडिया से बात करने पे पता चला इनका कोई एक स्थान सोच कर नहीं निकलते यह हर जगह जहां इनको भीड़ लगे तथा चौराहों पर जा जा कर हर जरूरत मंद को पानी पिलाते हैं। उद्घाटन के अवसर पर विधायक जी के साथ,विपिन पाण्डेय, एम.के.नामदेव.साकेत केडिया, आकाश दूबे, राहुल,आनन्द, सिद्धार्थ, ओम तथा अन्य उपस्थित थे।

डॉ.भीमराव अम्बेडकर सकूल में बाबा साहेब की 125 वीं जयंती मनाई गई

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,14 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

डॉ. भीमराव अम्बेड़कर विद्यालय सुभाषनगर में बाबा साहेब की 125 वीं जयंती मनाई गई। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी डॉ. भीमराव अम्बेड़कर साहब की विद्यालय में जयंती धुम धाम से मनाई गई। इस अवसर पर विद्यालय के संचालक व सामाजिक कार्यकर्ता कमल कुमार सिंह के द्वारा बाबा साहेब की प्रतिमा में माला अर्पण कर उनके द्वारा बताया गया कि यह दिन भारत के संविधान के निर्माता, सामाजिक सुधार व दलितों के उत्थान के प्रणेता डॉ. बी0 आ0 अम्बेड़कर के जन्मदिन मनाया जाता है। उन्होंने

शिक्षा की शक्ति, शिक्षित बनो संगठित रहो और संघर्ष करो - यह बाबा साहेब का प्रसिद्ध मंत्र था। वे मानते थे कि शिक्षा ही वह जरिया है जिसमें व्यक्ति जीवन की दिशा बदल सकता है। उन्होंने खुद भी यह सिद्ध किया।

इस अवसर पर संस्था के समस्त स्टाफव कार्यकर्ता सभी ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माला व पुष्प अर्पण कर उनके कार्यों को याद किया। इस अवसर पर संस्था के स्टाफश्रीमती चम्पा शाह,रूचिता वर्मा, अर्चना कुमारी, मिनाक्षी, उपासना,आशा लकड़ा व ज्योति वर्मा उपस्थित रहीं।

साक्षरता मिनी स्टेडियम में डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई

» नगर में निकाली गई रैली मुस्लिम समाज ने पुष्प वर्षा कर दी बधाई

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,14 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

पूरे भारत वर्ष में 14 अप्रैल दिन सोमवार को संविधान निर्माता भारत रत्न डॉ भीमराव अंबेडकर की जयंती धूमधाम से मनाई गई। वहीं लखनपुर साक्षरता मिनी स्टेडियम में सरपंच संघ और सर्व समाज के द्वारा बाबा साहब की जयंती पर लखनपुर साक्षरता मिनी स्टेडियम में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।जहां बड़ी संख्या में सरपंच संघ के पदाधिकारी और सर्व समाज के लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में सर्वप्रथम बाबा साहब के छायाचित्र के समक्ष माल्यार्पण करते हुए श्रद्धा पूर्वक नमन किया तत्पश्चात साक्षरता मिनी स्टेडियम से भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र के साथ-साथ नगर में भव्य रैली निकाली गई। वहीं अब्दुल कलाम चौक के पास मुस्लिम समाज के लोगों ने इस रैली का पुष्प वर्षा से स्वागत कर उन्हें बाबा साहब की जयंती को लेकर बधाई शुभकामनाएं देते हुए एक दूसरे से गले मिले। इसके बाद यहां रैली सैला नृत्य ,डीजे साउंड,नर्थक दलों के साथ नेशनल हाईवे 130 लखनपुर होते हुए भरतपुर मोड के पास स्थित डॉ भीमराव अंबेडकर चौक के पास पहुंची जहां डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्या अर्पण करते हुए उन्हें श्रद्धा पूर्वक नमन किया। जय भीम और बाबा साहब के नारो से पूरा नगर गूंज उठा।यह रैली वहां से वापस होते हुए गुदरी चौक, प्रतीक्षा बस स्टैंड होते हुए साक्षरता मिनी स्टेडियम पहुंची।जहां सर्व समाज के लड़कों लड़कियों सैलानी नृत्य नर्तन दलों के द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से सरपंच संघ के अध्यक्ष बनवारी राम आर्मो,पूर्व सरपंच संघ अध्यक्ष प्रयाग सिंह, सुखसाय पोर्ते,सूरज सिंह, प्रमोद सिंह, विफल राम,रघुवीर सूर्यवंशी, समीम खान हासिम खान,इरशाद खान,गप्पू खान आमिर सोहेल, नुसरत अली जानिसार अख्तर, मनोज कुमार, इमरान हुसैन,इमरान अंसारी रुस्तम खान, सहित बड़ी संख्या में सरपंच और सर्व समाज के लोग मौजूद रहे।

लखनपुर प्रतीक्षा बस स्टैंड में भाजपा द्वारा संविधान निर्माता डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की मनाई गई जयंती

लखनपुर प्रतीक्षा बस स्टैंड में भाजपा के द्वारा 14 अप्रैल दिन सोमवार की सुबह 11 बजे संविधान निर्माता भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर जयंती को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया।जहां अतिथि के रूप में अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल, भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी,विधायक प्रतिनिधि राकेश अग्रवाल, राकेश साहू सहित भाजपा पदाधिकारी मौजूद रहे। अंबिकापुर विधायक राजेश अग्रवाल सहित भाजपा पदाधिकारी ने संविधान निर्माता भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर के छायाचित्र के समक्ष माल्यार्पण करते हुए उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया विधायक राजेश अग्रवाल ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए संविधान निर्माता भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जीवनी पर प्रकाश डाला। और उनके बताए हुए मार्गो पर चलने का संकल्प भी लिया। इस दौरान ओबीसी पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष राजेंद्र जयसवाल, जनपद उपाध्यक्ष कामेश्वर राजवाड़े,पूर्व भाजपा मंडल अध्यक्ष दिनेश साहू, सुभाष अग्रवाल,राहुल अग्रवाल, कमेंद्र राजवाड़े, यतेंद्र पांडे, सचिन अग्रवाल,युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष महेश्वर राजवाड़े, घर-भरन राजवाड़े,सचिन बारी सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे सचिवों ने बाबा साहब की जयंती मनाई

लखनपुर जनपद कार्यालय के सामने अपने शासकीय कारण मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर बैठे सचिव संघ के पदाधिकारी ने संविधान निर्माता भारत रत्न डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई जहां सर्वप्रथम सचिव संघ के पदाधिकारी ने बाबा साहब के छायाचित्र पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें श्रद्धा पूर्वक नमन किया साथ ही उनके बताए हुए मार्गों पर चलने का संकल्प लिया है इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष जयपाल साहू, शिव नारायण सिंह,सतनारायण सिंह, गजराज सोनवानी, वंश राम, विनेश राम नन्हू राम, सहित बड़ी संख्या में सचिव संघ के सदस्य मौजूद रहे।

CMYK

सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाई गई डॉ.भीमराव अंबेडकर जयंती

बाबा साहेब का जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायकःविधायक भूलन सिंह मराबी

डॉ. भीमराव आंबेडकर के आदर्शों को आत्मसात करने की जरूरतःकलेक्टर

-संवाददाता-
सूरजपुर,14 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को सामाजिक समरसता दिवस के रूप में आज सूरजपुर ऑडिटोरियम में मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित मुख्य अतिथि श्री भूलन सिंह मरावी व अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

कार्यक्रम के दौरान संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया गया और उपस्थित गणमान्य नागरिकों के समक्ष डॉ अम्बेडकर की के जीवन के उपलब्धियों व संघर्ष का वर्णन किया गया। कार्यक्रम में प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मराबी ने कहा कि बाबा साहेब का संपूर्ण जीवन संघर्ष की अनुपम मिसाल है। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने हमें एक ऐसा संविधान दिया जो भारत को लोकतंत्र, समानता और न्याय की मजबूत नींव प्रदान करता है।

इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती चंद्रमणि पैकरा व पूर्व विधायक श्रीमती रजनी रवि शंकर त्रिपाठी द्वारा भी भारत रत्न बाबा साहब डॉ भीमराव अंबेडकर के संबंध में उनके विचार प्रस्तुत किये गये । कार्यक्रम में कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन ने उपस्थित जनों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम डॉ भीमराव अंबेडकर के आदर्शों पर चलें और एक समावेशी, समतामूलक और न्यायप्रिय समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्र स्थापना के क्रम में 60 ग्राम पंचायत के सरपंच व सीएससी के वीएलसी के मध्य एमओयू की कार्यवाही सम्पन्न की गई।इसके उपरांत प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आवास मित्रों को सम्मानित किया गया तथा आवास पूर्ण करने वाले 03 हितग्राहियों को खुशियों की चाबी प्रदान किया गया। सम्मानित होने वाले आवास मित्र में सभी जनपद से 01 आवास मित्र का चयन भी किया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पंचायत एंबेसडर की भूमिका को और प्रभावी बनाने हेतु कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने की बात कही गई और मोर दुआर साय सरकार विशेष पखवाड़ा (15 से 30 अप्रैल) के अंतर्गत चल रहे सर्वेक्षण कार्य की जानकारी दी गई। इसके साथ ही भूजल संरक्षण हेतु जनजागरूकता बढ़ाने और जल संरक्षण का संकल्प भी दिलाया गया। इसके साथ ही कार्यक्रम में स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण का सफल क्रियान्वयन करने वाले जनपद पंचायत सूरजपुर के ग्राम पंचायत जय नगर के संगवारी एसएचजी तथा जनपद पंचायत रामानुजनगर के ग्राम पंचायत कृष्णपुर मनीषा एसएचजी के अध्यक्ष, सदस्य को मुख्य अतिथि द्वारा उपहार देकर सम्मानित किया गया । विडिओ कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय एवं उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा के उद्बोधन उपरांत कार्यक्रम का समापन हुआ ।

कार्यक्रम में जनपद पंचायत सूरजपुर अध्यक्ष श्रीमती स्वाति सिंह,मुरली मनोहर सोनी,राजेश महलवाला,संदीप अग्रवाल,राजलाल राजवाड़े, शशिकांत गर्ग, ललित गोयल, मनमत, शैलेश अग्रवाल, योगेश्वरी राजवाड़े, पुनिया राजवाड़े, राजेश्वर तिवारी, प्रमोद तायल, दीपक गुप्ता, अरविंद मिश्रा, एच.एन.चतुर्वेदी, लक्ष्मण राजवाड़े, अजय मित्तल, रमेश अग्रवाल, धनेश्वरी, सुखमेन राजवाड़े, हेमलता राजवाड़े, अन्य जनप्रतिनिधि,एसडीएम श्रीमती शिवानी जायसवाल व अन्य जिला अधिकारी उपस्थित थे ।

सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाई जाएगी डॉ. भीमराव अंबेडकर जयंती

राज्य भर में आयोजित होंगे विशेष कार्यक्रम

-संवाददाता-
सूरजपुर,14 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती को सामाजिक समरसता दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया गया है। इस अवसर पर राज्य के सभी जिलों,जनपदों एवं ग्राम पंचायतों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसके लिए पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने सभी कलेक्टरों एवं जिला पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को पत्र जारी कर 14 अप्रैल को कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। कार्यक्रम के दौरान संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त पंचायत राज दिवस (24 अप्रैल) में अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्र की जानकारी दी जाएगी। हर विकासखण्ड से चयनित 10 ग्राम पंचायतों के सरपंचों और सीएससी-वीएलई सेवा प्रदाताओं के मध्य एमओयू (सहमति पत्र) की प्रक्रिया भी पूर्ण की जाएगी। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत पंचायत एंबेसडर की भूमिका को और प्रभावी बनाने हेतु कार्यक्रम में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। जहाँ एंबेसडर नियुक्त नहीं हैं, वहाँ उपयुक्त प्रतिनिधि का चयन कर उन्हें नियुक्त किया जाएगा। मोर दुआर साय सरकार विशेष पखवाड़ा (15 से 30 अप्रैल) के अंतर्गत चल रहे सर्वेक्षण कार्य की जानकारी लाभार्थियों तक पहुँचाने और योजना की पात्रता संबंधी जानकारी देने के लिए भी प्रयास किए जाएंगे। भूजल संरक्षण हेतु जनजागरूकता बढ़ाने और जल संरक्षण का संकल्प भी दिलाया जाएगा।

एनएसयूआई ने मनाया बाबा साहेब का जयंती

-संवाददाता-
सूरजपुर,14 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

भारत के संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर जी (बाबा साहेब) के जयंती पर एनएसयुआई जिलाध्यक्ष आकाश साहू के नेतृत्व में पोस्ट मैट्रिक बालक छात्रावास सूरजपुर में बाबा साहेब के छायाचित्र पर माल्यार्पण व 2 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित की गई आकाश साहू ने बताया कि पूरा देश बाबा साहेब का जयंती मना रहा है बाबा साहेब एक महान अर्थशांस्त्री,राजनीतिज्ञ और महान समाज सुधारक भी थे डॉ. भीमराव अंबेडकर को बाबा साहेब अंबेडकर के नाम से जाना जाता है उन्होंने छुआछूत और जातीय भेदभाव के ख़िलाफ़ आंदोलन चलाया वे भारतीय संविधान के वास्तुकार थे उन्होंने समता,स्वतंत्रता,बंधुत्व और न्याय पर आधारित संविधान की नीव रखी थी आज उनकी श्रद्धांजलि में हम उनको नमन करते है इस दौरान युवध सिंह,एनएसयुआई जिला कोषाध्यक्ष रुद्र प्रताप सिंह,शिवम साहू,आशीष साहू,महेन्द्र सिंह,शिवप्रताप सिंह एवं एनएसयुआई के कार्यकर्ता व छात्र गण उपस्थित थे।

कलेक्टर ने अंबेडकर जयंती पर किया उन्हें नमन

-संवाददाता-
सूरजपुर,14 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आज सूरजपुर कलेक्टर एस. जयवर्धन ने कलेक्टोरेट परिसर स्थित अंबेडकर प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया । इस दौरान उन्होंने बाबा साहब के विचारों और उनके योगदान को स्मरण करते हुए जिलेवासियों को अंबेडकर जयंती की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर कलेक्टर जयवर्धन ने कहा कि बाबा साहब का जीवन संघर्ष, समर्पण और संविधान निर्माण में उनकी भूमिका हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्री जगन्नाथ वर्मा सहित जिला संयुक्त कार्यालय के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने डॉ. अंबेडकर के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया और सामाजिक समरसता एवं संविधान की मर्यादा बनाए रखने का संदेश दिया।

क्षेत्रीयजनों को ही मिले प्राथमिकता के साथ रोजगारःअखिलेश प्रताप सिंह

-संवाददाता-
सूरजपुर,14 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

जिला पंचायत सदस्य व प्रदेश कांग्रेस कमिटी सचिव अखिलेश प्रताप सिंह ने आम के पेड़ की छांव में चौपाल लगाकर आमजनों की समस्याएं सुनीं। विदित हो कि प्रकाश इंडस्ट्रीज लिमिटेड द्वारा अधिग्रहित भास्करपारा कोयला खुली खदान में क्षेत्रीयजनों को रोजगार न मिल पाने व अन्य समस्याओं की शिकायत आमजनों ने की थी। जिस पर जिला पंचायत सदस्य ने मौके पर उपस्थित कपंनी के अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक दिशा निर्देश भी दिया। विकासखंड भैयाथान के ग्राम पंचायत खाड़ापारा में खुली भास्करपारा कोल खदान को लेकर प्रभावित 8 ग्राम पंचायत के ग्रामीणों और प्रभावितों ने जिला पंचायत सदस्य अखिलेश प्रताप सिंह से शिकायत की थी। बड़ी संख्या में लोगों से शिकायत मिलने पर शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए सोमवार को खदान के पास ही आम के पेड़ के नीचे चौपाल लगाई। जिपं सदस्य ने बिन्दुवार समस्याओं को पहले आमजन के बीच सुना और उनके निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। समस्याओं में खदान से काला पानी और मलवा किसानों की खेतों में बहने पर उसके रोकथाम के लिए उचित जल निकासी कराने, खदान में प्रभावित भू स्वामियों को समुचित मुआवजा और नौकरी दिलाने, अकुशल कामगारों को 12 हजार रूपए मासिक से बढ़ाकर 15 हजार रूपए वेतन दिलाने की पहल की। उन्होंने इस खदान में प्रभावित ग्राम जिनमें बड़सरा, बसकरपारा, खांड़ापारा, केंवरा, दलौनी, कुर्रीडीह, कुधरी आदि शामिल हैं के हैवी लायसेंस धारक वाहन चालकों को प्राथमिकता के साथ खदान में नौकरी देने की बात कही है। इसके बाद ही अन्य स्थानों के वाहन चालकों को नौकरी दी जाए। इस दौरान ग्राम पंचायत खांड़ापारा सरपंच रामधारी सिंह, दनौली सरपंच कुंवर सिंह, बसकर सरपंच सुरेश सिंह, जपं सदस्य प्रतिनिधि रामनारायण राजवाड़े,भाजपा नेता रक्षेन्द्र प्रताप सिंह,प्रदीप राजवाड़े, रावेन्द्र गुप्ता,उजित राजवाड़े, गोविन्दा सिंह, सुखलाल सिंह,भगवान सिंह, अशोक कुर्रे, अरविन्द यादव,राजेश प्रताप सिंह,ललित सिंह, विजय सिंह, महावीर गुप्ता समेत भास्करपारा कोल कंपनी के डी पात्रा, विजय कुमार समेत बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ आज से

कलेक्टर ने हरी झंडी दिखाकर जागरूकता रैली को कलेक्ट्रेट से किया रवाना

-संवाददाता-
सूरजपुर,14 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

अग्निशमन सेवा सप्ताह का शुभारंभ आज कलेक्ट्रेट से किया गया। इस अवसर पर अग्नि सुरक्षाकर्मी शहीदों के सम्मान में 02 मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया गया 7 तत्पश्चात कलेक्टर श्री एस.जयवर्धन द्वारा जन जागरुकता बाइक रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। उन्होंने बचाव ही बेहतर सुरक्षा है का संदेश देते हुए कहा कि हर नागरिक को आग से बचाव के लिए सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने बताया कि अग्निशमन सेवा सप्ताह के दौरान फायर सेफ्टी, अवेयरनेस ड्राइव,मॉक ड्रिल और प्रशिक्षण सत्र जैसे विभिन्न गतिविधियों का आयोजन कर दमकल विभाग द्वारा जागरुकता अभियान चलाया जायेगा। अग्निशमन सेवा सप्ताह 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक मनाया जायेगा। इस अवसर पर जिला अग्निशमन अधिकारी श्री संजय गुप्ता ने बताया कि अग्निशमन सेवा सुरक्षा सप्ताह के दौरान कई जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होंगे। जिसके अंतर्गत अग्निशमन केंद्र सुरजपुर की ओर से मल्टीप्लेक्स,बहुमंजिला इमारत,शिक्षण संस्थानों, हॉस्पिटल सहित ग्रामीण क्षेत्रों में आमजन और कर्मचारियों को आग बुझाने के तरीके को समझाया जायेगा। फायर कर्मचारी द्वारा आग बुझाने और आग लगने के दौरान बिल्डिंग में फंसे लोगों को सुरक्षित बाहर निकलने का डेमो भी दिया जायेगा। आज के कार्यक्रम में अपर कलेक्टर श्री जगन्नाथ वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री संतोष महतो, जिला सेनानी सूरजपुर, नगर सेना के कर्मचारी, सैनिक व फायर कर्मी उपस्थित थे।

फर्जी अंकसूची एवं अन्य दस्तावेज से कर रहे हैं कई वर्षों से शिक्षा कर्मी की नौकरी

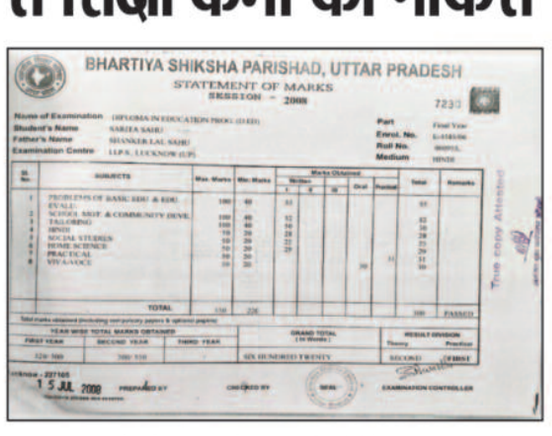

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,14 अप्रैल 2025
(घटती-घटना)।

जिला एम सी बी के ब्लॉक खड़गवां में समय-समय पर ब्लॉक में पदस्थ शिक्षा कर्मी के भ्रष्टाचार एवं धोखाधड़ी की खबरें सामने आती रहती हैं इनमें से कुछ पर कार्यवाही होती है और कुछ अपने पैसों और पावर एवं पहुंच के दम पर खुद को बच्चा भी लेते हैं ऐसे ही कई मामला खड़गवा ब्लॉक में जहां फर्जी दस्तावेजों के आधार पर शिक्षा कर्मी नौकरी कर रहे हैं जो बड़े आराम से बिना किसी शिकवा शिकायत एवं रोक-टोक के पिछले कई वर्षों से नौकरी भी कर रहे हैं मामला खड़गवा मुख्यालय से लगे ग्राम पंचायत ठगगाव प्राथमिक शाला डूमरबहरा का है जहां पर पदस्थ शिक्षा कर्मी के डीएड की अंकसूची जिसके आधार पर शिक्षा कर्मी वर्ग 3 की भर्ती में शिक्षाकर्मी की नौकरी प्राप्त कि है। वो डी एंड की अंकसूची भारतीय शिक्षा परिषद लखनऊ से 2008 में जारी हुई है। जो पूर्ण रूप से संदेहास्पद है या ये कहा जाए की ये अंकसूची पूर्णतः फर्जी है। यह अंकसूची जिस संस्था से जारी किया गया है उस संस्था का यूजीसी द्वारा जारी विवि की सूची में नहीं है जबकि शासन कि बेवसाइट में फेंक यूनिवर्सिटी दिखा रहा है ये उत्तर प्रदेश लखनऊ से 15 जुलाई 2008 में जारी हुआ है इस संस्था के संबंध में यूजीसी की बेवसाइट पर देखने से स्पष्ट फेंक यूनिवर्सिटी की सूची में इस यूनिवर्सिटी का नाम दर्ज है जहां से इन शिक्षाकर्मी की डीएड कि अंकसूची जारी हुई है। शासन के बेवसाइट में इस यूनिवर्सिटी का नाम कहीं पर अंकित नहीं है जिसकी जानकारी बेवसाइट पर दर्ज की फेक यूनिवर्सिटी है। इन फेंक यूनिवर्सिटी की जानकारी भी पहले भी प्रकाशित हो चुकी है उसके बाद भी शिक्षा विभाग के द्वारा इन फर्जी अंकसूची कि जांच एवं अन्य दस्तावेजों के आधार पर फर्जी नौकरी करने वाले शिक्षाकर्मियों के दस्तावेजों की कडाई से जांच क्यों नहीं की गई और जबकि नियुक्ति आदेश कि सामान्य शर्तें में उल्लेख है आदेश क्रमांक /1732/सथा/ शिश कश्निश/ज प /2010 दिनांक 9/10/2010 के कंडिका 5 में स्पष्ट उल्लेख नियुक्ति उमीदवार द्वारा प्रस्तुत शैक्षणिक अर्हता एवं अन्य प्रस्तुत प्रमाण पत्रों को प्रथम दृष्टया सत्य मानकर कि गयी है यदि भविष्य में कभी भी उमीदवार द्वारा प्रस्तुत प्रमाण पत्र अवैध कूटरचित व फर्जी पाया गया तब नियुक्ति तत्काल निरस्त कर दी जायेगी एवं संबंधित के विरुद्ध भारतीय दंड संहिता के प्रावधानानुसर दंडात्मक कार्यवाही संस्थित कि जाएगी।

CMYK

स्वास्थ्य मंत्री से पूछा गया की डेढ़ साल लगभग आपके मंत्री बनने को होने जा रहे हैं इस डेढ़ साल में आपने स्वास्थ्य सुविधाओं की बेहतरी के लिए क्या बेहतर किया?

बाकी के बचे सालों में आप स्वास्थ्य सुविधाओं में और क्या बेहतर कर सकते हैं?

घटिया सामान की खरीदी पर क्या रोक लगेगी...क्या अस्पतालों में मरीज की जरूरत के उपकरण व दवाइयां उपलब्ध होगी?

आपकी ही सरकार के विधायक आपको एक अच्छा मंत्री क्यों नहीं मानते ,आपके बेहतर कार्यों की सराहना कम आपकी कमियां ज्यादा बताते हैं?

क्या आपके कार्यकाल में भी स्वास्थ्य विभाग में भ्रष्टाचार हुआ है क्या आप पर जो आरोप लग रहे हैं वह सही है?

दैनिक घटती घटना ने छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री से प्रदेश की स्वास्थ्य सुविधाओं पर किए कई बड़े सवाल

सवालों पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने दिए जवाब,बेहतर होगी स्वास्थ्य व्यवस्था

मरीज के प्रति डॉक्टर की बोलचाल खराब क्यों है क्या अस्पतालों में 24 घंटे शिफ्ट वाली डॉक्टर की सुविधा मिलेगी?

सिर्फ इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण होता रहेगा या फिर इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ प्राइवेट अस्पतालों से ज्यादा बेहतर सुविधा शासकीय अस्पतालों में मिलेगी?

क्या संभाग स्तर पर ट्रामा सेंटर की सुविधा है,यदि नहीं तो क्या आपके प्रयासों से यह सुविधा मिलेगी संभाग के लोगों को...मिलेगी तो कब तक?

सरकार के मंत्री विधायक आखिर खुद सरकारी अस्पतालों पर क्यों विश्वास नहीं करते,वह अपना सामान्य इलाज भी क्यों निजी चिकित्सालय से कराते हैं?

-रवि सिंह-

एमसीबी/रायपुर 14 अप्रैल 2025 (घटती-घटना)।

दैनिक घटती-घटना ने छत्तीसगढ़ प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल से मुलाकात की और प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था की कमियों व स्वास्थ्य व्यवस्था कैसे बेहतर होगी इस विषय पर कई सवाल किए...और उनसे सीधी बातचीत की जिस पर श्याम बिहारी जायसवाल ने सारे सवालों के जवाब दिए और बेहतर व्यवस्था कैसे बन सकती है उस पर भी उन्होंने अपने सरकार की आगे की कार्ययोजना बताई...आगे के बचे सालों में कैसे काम करेंगे यह भी बताया और डेढ़ साल में उन्होंने क्या काम किया यह भी बताया स्वास्थ्य मंत्री से स्वास्थ्य से संबंधित ही कई कड़े सवाल पूछे गए, दैनिक घटती-घटना से लंबे समय बाद स्वास्थ्य मंत्री की सीधे बात हुई और प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था पर उन्होंने सीधे सुझाव भी दिए और क्या आगे होगा यह भी बताया सवालों पर कहीं-कहीं पर गंभीर हुए वहीं उन्होंने सभी सवालों का जबाब दिया।

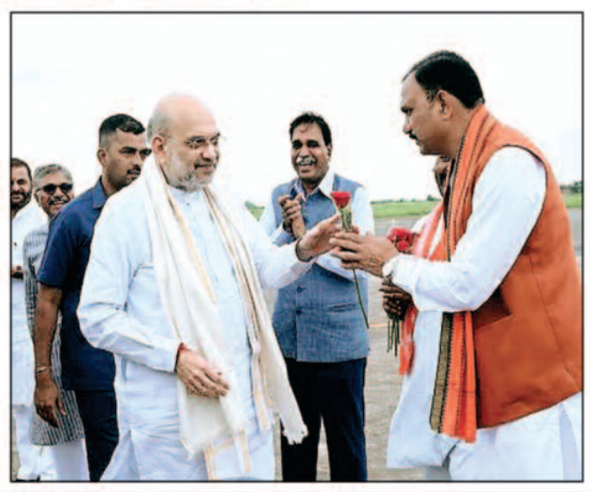

सभी पूछे गए सवालों पर उन्होंने क्या जवाब दिया...आइए हम हर सवाल के उत्तर को नीचे पढ़ते हैं...

प्रश्न- डेढ़ वर्ष के आपके कार्यकाल में स्वास्थ्य क्षेत्र में क्या उपलब्धियां प्रदेश स्तर पर देखने को मिलीं?

उत्तर- डेढ़ वर्ष पहले जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार प्रदेश में बनी तब प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था वेंटिलेटर पर पहुंच चुकी थी,पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में स्वास्थ्य क्षेत्र में कोई काम किया ही नहीं गया,सभी सरकारी चिकित्सालय प्राथमिक,द्वितीयक,तृतीयक रेफरल सेंटर बन चुके थे,यहां तक कि आयुष्मान योजना का लाभ भी जनता को नहीं मिल रहा था निजी अस्पतालों में आयुष्मान कार्ड से इलाज ही नहीं होता था। हमारी सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में काफी ध्यान दिया इन डेढ़ वर्षों में,आज आयुष्मान कार्ड से इलाज हो रहा है और सरकार भुगतान कर रही है आयुष्मान अंतर्गत इलाज का,आज शासकीय अस्पतालों से रेफरल मामले घटे हैं और वही मामले रेफर हो रहे हैं जो सही मायने में रेफर किए जाने लायक हैं उच्च स्तर के लिए। हमारे तृतीयक स्वास्थ्य केंद्र जिसमें अंबिकापुर मेडिकल कॉलेज,सिम्स बिलासपुर,और मेकाहारा,डीकेएस में क्षमता से अधिक डेढ़ से दोगुना मरीजों का इलाज प्रतिदिन किया जा रहा है और ओपीडी की संख्या बढ़ी है,कुल मिलाकर हमने शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों के प्रति लोगों का विश्वास पुनः कायम हो इस दिशा में डेढ़ सालों तक पूरी ईमानदारी से काम किया है आगे भी करेंगे और आपको बता दूं इसका असर भी हुआ है लोगों का विश्वास आज शासकीय स्वास्थ्य केंद्रों की तरफ कायम हुआ है।

प्रश्न- सरकार के बचे हुए साढ़े तीन सालों कार्यकाल के समय में प्रदेश के स्वास्थ्य क्षेत्र में आप क्या और उपलब्धियां हासिल करने की कार्ययोजना के साथ काम करेंगे?

उत्तर-यह प्रश्न काफी अच्छा प्रश्न है,हमारी सरकार सबसे पहले प्रदेश के पांच नवीन मेडिकल कालेजों की जो स्वीकृत हैं कि स्थापना के लिए प्रयासरत है जिसकी टेंडर प्रक्रिया जारी है,पहले टेंडर हुआ था जो अधिक रेट के कारण निरस्त हुआ है जिसमें सरगुजा संभाग का मनेंद्रगढ़ मेडिकल कालेज भी शामिल है,वहीं पांच सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों की जो घोषणा है हमारे घोषणा पत्र में उसको अमली जामा पहनाना इसमें डीकेएस रायपुर में पहले से ही यह सुविधा चालू है,बिलासपुर के सिम्स में यह सुविधा चालू की गई है जिसके अपग्रेडेशन की तैयारी है वहीं बस्तर में भी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल की तैयारी है वहीं अंबिकापुर के सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के निर्माण की तैयारी है जिसमें एम्स के तर्ज पर सुविधाएं मिल सकेंगी यह दीर्घकालिक कार्ययोजना में शामिल है,प्रदेश में पहली बार 12 नर्सिंग कॉलेज की स्वीकृति मिली है उसे आरंभ करा सकें 6 फिजियोथेरेपी कॉलेज को आरंभ करा सकें,मनेंद्रगढ़ सहित जगदलपुर के मेंटल अस्पतालों को आरंभ करा सकें,100 बेड के सीटी चिकित्सालय 220 बेड के सीटी चिकित्सालय जिसमें जशपुर, मनेंद्रगढ़, गरियाबंद, पेंड्रा गौरेला के चिकित्सालय शामिल हैं के विधिवत शुरुआत हो सके यह प्राथमिकता में है हमारे। बड़ी कार्ययोजनाओं में आईबीएफ सेंटर, सीकलसेल इंस्टीट्यूट,आंखों के लिए रीजनल सेंटर जो रायपुर के माना में प्रस्तावित है के ही साथ 5000 बेड का सुसज्जित सर्वसुविधायुक्त अस्पताल नया रायपुर में स्थापित कर उस क्षेत्र को मेडिकल हब मेडिकल टूरिज्म के रूप में विकसित करने की कार्ययोजना है। हम यह सभी कार्य तय समय सीमा में पूरा करेंगे प्रदेश के लोगों को प्रदेश में ही हर तरह की स्वास्थ्य सुविधा मुहैय्या करा पाएंगे यह हमारी तैयारी है।

प्रश्न- पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में कोरिया के जिला चिकित्सालय को भी सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल का दर्जा देकर नई बिल्डिंग दी गई थी जो भवन अधूरे निर्माण के बाद ऐसे ही पड़ी है,क्या उसको लेकर कोई कार्ययोजना है सरकार की?

उत्तर- पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में केवल नारियल फोड़ने की होड़ लगी रहती थी और जिसका परिणाम ही है कोरिया जिले का आधा अधूरा बना हुआ जिला चिकित्सालय नवीन भवन जो या जिसका केवल ढांचा खड़ा है,आपको बता दूं कि 45 करोड़ की लागत से बनने वाले भवन के लिए केवल 10 करोड़ जारी कर दिए गए थे पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल में,वहीं डीएमएफ से भी कलेक्टर ने पैसा देने से तब मना कर दिया था ऐसे में कैसे भवन पूर्ण होता, चूंकि 10 करोड़ की राशि जो खर्च हो चुकी थी वह भी सरकार और प्रदेश की जनता की ही राशि थी इसलिए वह पैसा बर्बाद न हो जाए इसलिए इस बजट में 35 करोड़ रुपए की राशि जारी कर दी गई है और जल्द की अब निर्माण कार्य आरम्भ हो जाएगा और कोरिया जिले का जिला चिकित्सालय भी नए भवन और नई सुविधाओं के साथ सुसज्जित हो जाएगा।

प्रश्न- पिछली कांग्रेस सरकार के समय की तरह घटिया खरीदी,बेवजह के उपकरणों की खरीदी जैसी स्थिति क्या अब आपकी सरकार के कार्यकाल में नहीं उत्पन्न होगी?

उत्तर- पिछली सरकार के कार्यकाल में खरीदी गई 50 करोड़ की दवाइयां खराब हुई,400 करोड़ का भुगतान हमने रोका है मामले की जांच ईओडब्ल्यू को दी गई है दोषी संचालक जेल में हैं,कई अन्य भ्रष्टाचार के सहयोगी जेल में हैं आगे जांच होती रहेगी,हमने एक ऐप भी लॉन्च किया है जिसका नाम नेक्स्ट जेन है जिसमें कभी भी यह जाना जा सकता है कि दवाइयों की वास्तविक स्थिति क्या है कौन सी दवा कब एक्सपायरी होगी और यह कंप्यूटरीकृत पोर्टल है जहां न कोई अधिक दर पर दवा खरीद सकेगा न कोई गड़बड़ी कर सकेगा ,इस ऐप की सुविधा से निचले स्तर के स्वास्थ्य केंद्रों तक भी हो सके इसका प्रयास जारी है शेष अभी जिला स्तर तक कोई भी इससे जानकारी प्राप्त कर सकता है। हमारी सरकार पूरी तरह पारदर्शी व्यवस्था लागू करने में लगी हुई है स्वास्थ्य क्षेत्र में और भ्रष्टाचार मुक्त विभाग स्वास्थ्य विभाग को हमारा संकल्प है।

प्रश्न- जहां विपक्ष के विधायकों को सत्तापक्ष के मंत्रियों से सवाल करना चाहिए उनके साथ विधानसभा में आक्रामक होना चाहिए पर विधानसभा में सत्तापक्ष के ही विधायक मंत्रियों को घेरते नजर आए, उनके प्रति आक्रमक रुख अपना रहे हैं...ऐसा क्यों?

उत्तर- प्रदेश का विपक्ष बिल्कुल कमजोर है,विपक्ष शून्य की स्थिति में है,जब विपक्ष मजबूत होता है तभी सत्तापक्ष या सरकार भी मजबूती से जनहित के कार्यों के प्रति गंभीरता से काम करती है प्रदेश के विकास के लिए काम करती है,अब चूंकि प्रदेश का विपक्ष कमजोर है इसलिए सत्तापक्ष के ही हमारे वरिष्ठ साथी सत्तापक्ष के मंत्रियों से जनहित प्रदेशहित के मुद्दों पर प्रश्न करते हैं विधानसभा में और इसके पीछे का उनका उद्देश्य यह होता है कि जनता के जुड़े मुद्दे प्रदेश हित से जुड़े मुद्दे मंत्रियों के संज्ञान में आते रहें सरकार के संज्ञान में रहे जिससे जनता को लाभ मिलता रहे और

प्रदेश का भी विकास होता रहे क्योंकि विपक्ष शून्य की स्थिती में है।

प्रश्न- आपके डेढ़ साल के कार्यकाल को लेकर ही आपके ऊपर कुछ लोग भ्रष्टाचार के आरोप लगा रहे हैं,यह आरोप कहां तक सही है?

उत्तर- मेरे ऊपर भ्रष्टाचार के कोई भी आरोप नहीं हैं,कुछ लोग सोशल मीडिया पर ऐसे आरोप लगाते नजर आए थे लेकिन वह मामला भी तब का जब प्रदेश में कांग्रेस की सरकार थी,मैंने भ्रष्टाचार के संबंध में जितनी भी शिकायतें पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल की मिलीं उसके लिए जांच टीम बनाई,जांच करवाई,जांच हो भी रहा है,आगे भी जांच होगी,जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ हमारी सरकार भ्रष्टाचार के मामले में काम कर रही है आगे भी करेगी,मेरे विरूद्ध कोई भी प्रामाणिक भ्रष्टाचार का आरोप यदि है तो उसे सामने रखे आरोप लगाने वाला,मैं हर तरह की जांच के लिए तैयार हूं हर स्तर पर जांच के लिए तैयार हूं। हमने तो पूर्ववर्ती सरकार के भ्रष्टाचार के मामलों के सामने आते ही कई बड़े भुगतान रोक दिए और कई मामलों में कार्यवाहियों की अनुशंसा की है। भ्रष्टाचार का सवाल ही नहीं उठता हमारी सरकार के कार्यकाल में। मुझे बदनाम करने के लिए कुछ लोगों का यह असफल एक प्रयास था जो उनके लिए असफलता ही उन्हें दे गया।

प्रश्न- कई जगहों से मरीजों के प्रति अस्पताल के डाक्टरों का व्यवहार अच्छा नहीं रहता जैसी शिकायतें आती हैं,इस संबंध में क्या आपको शिकायतें मिलती हैं?

उत्तर- ऐसा नहीं है,हमारे अस्पतालों के डॉक्टर और समस्त कर्मचारी मरीजों के प्रति अच्छा व्यवहार रखते हैं और वह उनका बेहतर ध्यान भी रखते हैं ऐसा मैं कह सकता हूं,वहीं मैं दैनिक घटती घटना के माध्यम से अपील भी करता हूं कि डॉक्टर और अस्पताल के कर्मचारी मरीजों से मित्रवत व्यवहार कायम करें और उनका बेहतर इलाज करें । व्यवहार को लेकर कहीं से यदि शिकायत मिलती है तो इस संबंध में जांच भी होती है कार्यवाहियां भी होती हैं। मेरी अपील यह भी है कि सभी अपना व्यवहार मधुर रखें वह अस्पताल के कर्मचारी हों या मरीजों के सहयोगी क्योंकि बीमार व्यक्ति को मन से भी स्वस्थ रखना हमारी जिम्मेदारी होनी चाहिए यह अस्पताल का भी संकल्प होना चाहिए और मरीज के सहयोगी का भी।

प्रश्न- प्रदेश के शासकीय अस्पतालों के उन्नतीकरण और निजी अस्पतालों से उनको बेहतर करने को लेकर क्या कार्ययोजना है सरकार की?

उत्तर- प्रदेश के सभी संभागों में एम्स की तर्ज पर सिम्स सुपर स्पेशलिटी अस्पतालों की स्थापना हो यह कार्ययोजना सरकार की है वहीं प्रदेश के 6 जिला चिकित्सालय जिसमें कोरिया का भी जिला चिकित्सालय शामिल है को मॉडल अस्पताल बनाए जाने की कार्ययोजना है वहीं इसी तर्ज कर हमने मेडिकल कालेजों के डाक्टरों का वेतन दो से ढाई गुना बढ़ाया भी है। हमारी सरकार हर तरह से शासकीय अस्पतालों की बेहतरी और उसे सर्वसुविधायुक्त बनाने लगी है। हर सुविधा शासकीय अस्पतालों में मिल सके अच्छे योग्य डॉक्टर मिल सकें यह हमारी कार्ययोजना की प्राथमिकता है वहीं निजी अस्पताल भी बेहतर कार्य करें यह भी हम चाहेंगे जिससे प्रदेश के लोगों को हर तरह की स्वास्थ्य सुविधा अपने इक्षानुसार मिल सके। आने वाले समय में शासकीय अस्पतालों में सुविधाओं की कमी नहीं होगी यह हमारी सरकार का प्रदेश की जनता से वादा है। यह कार्यकाल सरकार का प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में सबसे स्वर्णिम कार्यकाल होगा यह मैं विश्वास दिलाता हूं।

प्रश्न- मंत्री विधायकों का प्रदेश के शासकीय अस्पतालों के इलाज पर भरोसा क्या कायम नहीं...जिसके कारण उन्हें निजी अस्पताल में इलाज कराना पड़ रहा है...हाल में ही एक विधायक ने मोतियाबिंद का इलाज निजी अस्पताल से कराया,ऐसा क्यों?

उत्तर- यह विषय कुछ सोच का है कुछ पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में सरकारी अस्पतालों के गिरे ग्राफ के कारण ऐसा देखने सुनने को मिलता है। हमारी सरकार सरकारी अस्पतालों के प्रति लोगों का विश्वास वापस लाने के काम में लगी हुई है जिसमें हमें सफलता मिल रही है जो कांग्रेस के कार्यकाल में विश्वास जाता रहा था,प्रदेश हमारे मुख्यमंत्री के परिजन खुद शासकीय अस्पताल में इलाज कराते हैं,मैंने खुद अपने आंख का इलाज शासकीय अस्पताल से कराया है,कई मंत्री,सांसद,विधायक हमारे शासकीय अस्पतालों में ही इलाज कराते हैं। वैसे मैं दैनिक घटती घटना के माध्यम से अपील भी करता हूँ प्रदेश के जनप्रतिनिधियों से अधिकारियों से कर्मचारियों से की वह शासकीय अस्पतालों से ही इलाज कराएं और सुविधा असुविधा के संबंध में कमियों के संबंध में सरकार को विभाग को अवगत कराएं जिससे उन्हें दूर किया जा सके। आज की स्थिति में हमारे सरकार के कार्यकाल में शासकीय अस्पताल किसी मायने में निजी अस्पतालों से कम नहीं हैं।

प्रश्न- एन.एच. से लगे शासकीय अस्पतालों में खासकर सरगुजा संभाग के सुरजपुर पटना में ट्रामा सेंटर की स्थापना करने को लेकर क्या कोई कार्ययोजना है,कई दुर्घटना में गंभीर घायल की मौत ट्रॉमा सेंटर आसपास नहीं होने के कारण हो जाती है, क्या सरगुजा संभाग में ऐसी सुविधा मिलेगी?

उत्तर- दैनिक घटती-घटना का यह प्रश्न अति उत्तम है,आपकी जानकारी के लिए बता देना चाहता हूं कि प्रत्येक जिला चिकित्सालय में सीसीयू की स्थापना की कार्ययोजना है जहां ऐसे दुर्घटना के मामलों में तत्काल चिकित्सा सुविधा मिलेगी,कटघोरा में 100 बिस्तरीय अस्पताल इसीलिए व्यवस्थित किया जा रहा है जिससे गंभीर मामलों में नजदीक ही स्वास्थ्य सुविधा बेहतर मुहैया हो सके। कटघोरा का अस्पताल और व्यवस्थित किया जाएगा जो राष्ट्रीय राज्यमार्ग पर ही है। बिलासपुर के तिफरा में वहीं राष्ट्रीय राज्यमार्ग के राजधानी के नजदीक के सिमगा में भी सीसीयू अस्पताल की व्यवस्था सुविधा होगी जो ट्रामा सेंटर की तर्ज पर होगा। दैनिक घटती-घटना ने पटना या सुरजपुर में ट्रामा सेंटर की बात या मांग आपके माध्यम से की है,इस दिशा में सार्थक प्रयास सरकार की तरफ से होगा जल्द ही परिणाम सामने आएगा मैं विश्वास दिलाता हूं।

CMYK

संक्षिप्त खेल खबर

कैसे गेंद बदलने के नियम ने एमआई को रोमांचक जीत दिलाने में मदद की

नई दिल्ली,14 अप्रैल 2025। आईपीएल 2025 के लिए एक नया नियम आया है। अब शाम के मैच में जो टीम दूसरी पारी में गेंदबाजी कर रही होती है, वह 11वें ओवर के बाद कभी भी गीली गेंद बदल सकती है, जिससे ओस का असर कम किया जा सके। इस

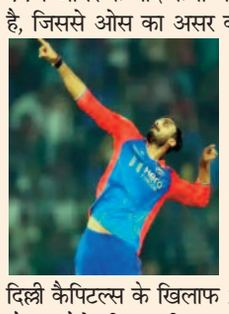

नियम को गेंदबाजों के लिए फायदेमंद बताया गया है, खासकर उन टीमों के लिए जो स्कोर बचाने की कोशिश करती हैं। अरुण जेटली स्टेडियम में मुंबई इंडियंस (एमआई) ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 205 रन बनाए। मैच के दौरान जैसे ही जसप्रीत बुमराह ने अक्षर पटेल का विकेट लिया, एमआई ने गेंद बदलने का फैसला किया। मैदान पर ओस को हटाने के लिए सुपर सॉपर्स भी इस्तेमाल किए जा रहे थे ताकि गेंदबाजों को परेशानी न हो। गेंद बदलने के बाद कर्ण शर्मा और मिशेल सैंटनर ने गेंद को बेहतर तरीके से ग्रिप किया और पिच से उछाल, टर्न और अच्छी पकड़ भी मिलने लगी। इससे बल्लेबाज़ों के लिए ऊंचे शॉट लगाना मुश्किल हो गया।

फाज़िला के शानदार प्रदर्शन से नीता एफए को रीलीगेशन की लड़ाई में बनाए रखा

कोझिकोड,14 अप्रैल 2025। फाजिला इक्कापुट ने चार गोल करके 2024-25 इंडियन विमेंस लीग में अपना दबदबा फिर से कायम किया, क्योंकि गोकुलम केरल एफसी ने रविवार को ईएमएस कॉरपोरेशन स्टेडियम में अपने अभियान के आखिरी घरेलू मैच में

नीता एफए को 4-1 से हरा दिया। 24 गोल के साथ पहले से ही लीग की शीर्ष स्कोरर युगांडा की स्ट्राइकर ने अपने नाम चार गोल (47%, 52%, 63%, 82%) जोड़े, जिसमें मैच के सभी पांच गोल दूसरे हाफ में आए। रहमा जाफरू (75%) ने नीता एफए के लिए सांत्वना गोल किया। परिणाम किसी भी पक्ष के लिए बहुत कुछ नहीं करता है। ईस्ट बंगाल के चैंपियन बनने की पुष्टि हो चुकी है, गोकुलम नीता एफए के खिलाफ खेल में यह जानते हुए उतरा कि अभियान के अपने आखिरी दो मैचों के परिणामों के बावजूद वे लीग में दूसरे स्थान पर रहेंगे। अब वे 13 मैचों में 29 अंक हासिल कर चुके हैं। हालांकि, नीता एफए के लिए यह हार गंभीर परिणाम लेकर आई। वे इतने ही मैचों में 13 अंकों के साथ छठे स्थान पर बने हुए हैं और अब ओडिशा महिलाओं के साथ करो या मरो के मुकाबले में हैं, जिनके पास समान मैचों में 12 अंक हैं। दोनों टीमों के अभियान में एक मैच शेष है - नीता एफए किकस्टार्ट एफसी से भिड़ेगी और ओडिशा महिला श्रीभूमि एफसी से भिड़ेगी-अस्तित्व जीत से कम किसी भी चीज पर निर्भर नहीं करेगा। रविवार का मैच सतर्कता के साथ शुरू हुआ, जिसमें दोनों ही टीमें पहले हाफ में खास तौर पर खतरनाक नहीं दिखीं।

पंजाब किंग्स और केकेआर के बीच मैच आज

पंजाब किंग्स के सामने होंगे केकेआर,कैसा है दोनों का हेड टू हेड रिकॉर्ड, किसका पलड़ा है भारी

चंडीगढ़,14 अप्रैल 2025। आईपीएल 2025 के 31वें मैच में 15 अप्रैल को मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में पंजाब किंग्स का सामना कोलकाता नाइट राइडर्स से होगा। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मिली 8 विकेट से शर्मनाक हार के बाद पंजाब किंग्स की टीम इस मैच में खेलने उतरेगी। उस मैच में अभिषेक शर्मा की शानदार 141 रनों की पारी के बदौलत एसआरएच ने 246 रनों का टारगेट दो ओवर शेष रहते चेज कर लिया था। दूसरी ओर, केकेआर ने अपने पिछले मैच में सीएसके के खिलाफ जीत दर्ज करके शानदार वापसी की और मंगलवार को पंजाब के खिलाफ भी वह इसी प्रदर्शन को दोहराना चाहेगी।

पीबीकेएस व्हीएस केकेआर दोनों टीमों का हेड टू हेड रिकॉर्ड

दोनों टीमों के हेड टू हेड रिकॉर्ड की बात करें तो पंजाब और कोलकाता के बीच अब तक 33 आईपीएल मैच खेले जा चुके हैं। जहां केकेआर 21 मैचों में जीत के साथ आगे है, जबकि पंजाब की टीम अब तक 12 मैचों में ही जीत दर्ज कर पाई है। दोनों टीमों के बीच अभी तक मुल्लांपुर में एक भी मैच नहीं खेला गया है। अब देखना ये दिलचस्प होगा कि इस मुकाबले में कौन सी टीम बाजी मारती है। पंजाब और कोलकाता के बीच पिछले 5 मैचों की बात करें तो वहां 3 जीत के साथ पंजाब के पास थोड़ी बढ़त है। वहीं केकेआर ने सिर्फ दो मौकों पर बाजी मारी है।

पीबीकेएस व्हीएस केकेआर पिछले 5 मैचों का रिजल्ट

पंजाब किंग्स ने 8 विकेट से जीत दर्ज की
कोलकाता नाइट राइडर्स ने 5 विकेट से जीत दर्ज की
पंजाब किंग्स ने 7 रन से जीत दर्ज की
कोलकाता नाइट राइडर्स ने 6 विकेट से जीत दर्ज की
पंजाब किंग्स ने 5 विकेट से जीत दर्ज की

पीबीकेएस व्हीएस केकेआर दोनों टीमों का स्क्वायॅड

पंजाब किंग्स: वेंकटेश अय्यर, रिंकू सिंह,वरुण चक्रवर्ती,आंद्रे रसेल,सुनील नारायण,एनरिक नॉर्खिया,हर्षित राणा,रमनदीप सिंह, क्विंटन डी कॉक,अंगकृष रघुवंशी, स्पेंसर जॉनसन,रहमानुल्लाह गुरबाज, मोईन अली,वैभव अरोड़ा,रोवमन पॉवेल,अजिंक्य रहाणे,चेतन साकरिया,मनीष पांडे,अनुकूल रॉय, लवनिथ सिसोदिया,मयंक मारकंडे
कोलकाता नाइट राइडर्स: श्रेयस अय्यर,अर्शदीप सिंह,युजवेंद्र चहल, मार्कस स्टोइनिस,मार्को यान्सेन, शशांक सिंह,नेहाल वढ़ेरा,ग्लेन मैक्सवेल,प्रभसिमरन सिंह,प्रियांश आर्या,जोश इंग्लिस,अजमतुल्लाह उमरजई,लॉकी फर्ग्यूसन,विजय कुमार वैशाक,यश ठाकुर,हरप्रीत बरार, आरोन हार्डी,विष्णु विनोद,कुलदीप सेन, जेवियर बार्टलेट,हरनूर सिंह,मुशीर खान,सूर्यांश शेडगे,पी अविनाश, प्रवीण दुबे

कैलेंस ओपन का उद्घाटन होगा आज

नई दिल्ली,14 अप्रैल 2025। कैलेंस और भारत में पुरुषों के पेशेवर गोल्फ की आधिकारिक मंजूरी देने वाली संस्था प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) संयुक्त रूप से 15 अप्रैल से 18 अप्रैल तक दिल्ली के कुतुब गोल्फ कोर्स में उद्घाटन कैलेंस ओपन का आयोजन करेंगे। टूर्नामेंट में कुल पुरस्कार राशि 1 करोड़ रुपये है। एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि मुख्य कार्यक्रम के बाद 19 अप्रैल को प्रो-एम कार्यक्रम होगा।15 अप्रैल से शुरू होने वाला टूर्नामेंट 15 साल के अंतराल के बाद दिल्ली-एनसीआर के शीर्ष चैंपियनशिप स्थलों में से एक कुतुब गोल्फ कोर्स में पीजीटीआई की वापसी का प्रतीक है। इस आयोजन में 123 पेशेवर

और तीन शौकिया सहित 126 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। यह आयोजन स्ट्रोक-प्ले प्रारूप में खेला जाएगा जिसमें 18 होल के चार राउंड होंगे। शीर्ष 50 खिलाड़ी और टाई दो राउंड के बाद कट बना लेंगे। पाठ्यक्रम के लिए बराबर 70 है. टूर्नामेंट के मैदान में ओम प्रकाश चौहान, मनु गंडास, युवराज संधू, शौर्य बीनू, अमन राज, सचिन बैसोया, राशिद खान, खलिन जोशी, उदयन माने, शौर्य भट्टाचार्य, करणदीप कोचर और चिक्कारंगप्पा एस सहित प्रमुख भारतीय पेशेवर शामिल होंगे। विदेशी चुनौती का नेतृत्व चेक गणराज्य के स्टीफन डेनेक, श्रीलंका के एन थंगाराजा और के प्रबागरन, अमेरिका के कोइचिरो सातो, इतालवी फेडेरिको जुचेट्टी, युगांडा के जोशुआ सीले, बांग्लादेश के एमडी सिद्दीकुर रहमान, जमाल हुसैन, बादल हुसैन, एमडी अकबर हुसैन, एमडी जकीरुज्जमां जाकिर, एमडी सोमरत सिकदर, एमडी मुआज और मोहम्मद रजू के साथ-साथ नेपाल के खिलाड़ी करेंगे। सुक्र बहादुर राय और सुबाष तमांग। सचिन बैसोया, राशिद खान और शौर्य भट्टाचार्य के अलावा, दिल्ली के अन्य प्रमुख पेशेवरों में शमीम खान, क्षितिज नवीद कौल, चिराग कुमार, हर्षजीत सिंह सेठी, अर्जुन प्रसाद और कपिल कुमार शामिल हैं।

पीएसएल 2025 के मोटर बाइक गिवअवे ने हेयर ड्रायर अवार्ड के बाद मीम्स की झड़ी लगा दी

कराची,14 अप्रैल 2025। क्रिकेट प्रशंसकों को अजीबोगरीब पल देखने की आदत है,

लेकिन पाकिस्तान सुपर लीग 2025 ने इसे बिल्कुल नए स्तर पर पहुंचा दिया है। इस सीजन के अब तक के सबसे मजेदार पलों में से एक में, कराची किंग्स के जेम्स विंस को शनिवार को मुल्तान सुल्तान्स के खिलाफ उनकी शानदार मैच जिताऊ पारी के लिए हेयर ड्रायर दिया गया। स्वाभाविक रूप से, सोशल मीडिया पर हंसी की लहर दौड़ गई और प्रशंसकों ने इस असामान्य पुरस्कार को समझने की कोशिश की, लेकिन इस दिन हेयर ड्रायर ही एकमात्र चीज नहीं थी जिसने ध्यान खींचा। स्टेडियम के अंदर खड़ी एक मोटरसाइकिल की तस्वीर भी वायरल हुई, जिसने प्रशंसकों के बीच उत्सुकता जगा दी। जबकि कई लोग हैरान थे कि यह वहां क्या कर रही थी,पीएसएल के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट ने इस बारे में सफाई दी।

हॉकी इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए 26 सदस्यीय भारतीय महिला टीम की घोषणा की

नई दिल्ली,14 अप्रैल 2025। हॉकी इंडिया ने सोमवार को आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे के लिए 26 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की, जो 26 अप्रैल से 4 मई तक पर्थ हॉकी स्टेडियम में होने वाला है। पांच मैचों की इस सीरीज में भारत पहले दो मैचों में ऑस्ट्रेलिया ए से भिड़ेगा, इसके बाद तीन मैच सीनियर ऑस्ट्रेलियाई टीम से होंगे। इस टीम की अगुआई तेजतर्रार मिडफील्डर सलीमा टेटे करेंगी, जबकि अनुभवी फॉरवर्ड नवनीत कौर उप-कप्तान होंगी। हॉकी इंडिया की प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, यह दौरा जून में होने वाले एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण से पहले एक महत्वपूर्ण तैयारी कार्य होगा। हॉकी इंडिया ने कहा कि अनुभवी गोलकीपर सविता और युवा प्रतिभा बिचू

देवी खारीबाम दोनों पदों के बीच जिम्मेदारियों को साझा करेंगी, जिससे रक्षा की एक मजबूत अंतिम पंक्ति प्रदान की जा सकेगी। ज्योति सिंह, इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, सुजाता कुजूर,सुमन देवी थौदाम, ज्योति, अजमीना कुजूर और साक्षी राणा रक्षात्मक लाइनअप में शामिल होंगी, जो अनुभव और होनहार युवा प्रतिभा का मिश्रण दर्शाती हैं। हॉकी इंडिया ने कहा कि मिडफील्ड में कप्तान सलीमा टेटे वैष्णवी विट्ठल फाल्के, नेहा,शर्मिला देवी,मनीषा चौहान,सुनेलिता टोप्पो,महिमा टेटे, पूजा यादव और लालरेम्सियामी के सहयोग से केंद्र की कमान संभालेंगी,जिससे टीम में गहराई और रचनात्मकता आएगी।

स्वामी विवेकानंद-20 एनएफसी में आंध्र प्रदेश की आसान जीत

नारायणपुर,14 अप्रैल 2025। आंध्र प्रदेश ने रविवार को छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में रामकृष्ण मिशन आश्रम ग्राउंड में स्वामी विवेकानंद अंडर-20 पुरुष राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप 2025 के ग्रूप एफ में दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव के खिलाफ 4-1 से जीत दर्ज की। हाफटाइम तक विजेता टीम 3-1 से आगे थी। आंध्र प्रदेश के लिए मारप्पा गौड़ा सेतु माधव (8%), बी भारत कुमार रेड्डी (37%), बी वीरा साई हर्षवर्धन (43%) और बद्री सुरेंद्र बाबू (72%) ने गोल किए। निखिल नायक (32%) हारने वाली टीम के लिए एकमात्र स्कोरर रहे। तीन टीमों के ग्रुप में लगातार दो हार के बाद दादरा और नगर हवेली तथा दमन और दीव प्रतियोगिता से बाहर हो गए हैं, वहीं जीत के बावजूद आंध्र प्रदेश के सामने क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। गत विजेता दिल्ली इस ग्रुप की दूसरी टीम है, जिसने दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव पर 14-0 की शानदार जीत के बाद तीन अंक हासिल किए हैं। हालांकि दिल्ली को अंतिम आठ में जगह बनाने के लिए अब अपने अंतिम ग्रुप लीग मैच में ड्रॉ की जरूरत है, लेकिन केवल एक पूर्ण जीत ही आंध्र प्रदेश के लिए अगले स्तर तक पहुंचने का रास्ता साफ कर सकती है। आंध्र प्रदेश ने शुरुआत में ही हमला बोल दिया। आठवें मिनट में सेथु माधव ने प्रतिद्वंद्वी बॉक्स में पैरों के जंगल के बीच से गोल किया। दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन एवं दीव ने 32वें मिनट में निखिल नायक के फ्री किक पर गोल करके बराबरी कर ली। हालांकि, उनकी खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिकी क्योंकि भारत कुमार रेड्डी और हर्षवर्धन ने हाफ टाइम से पहले दो गोल करके खेल को अपने कब्जे में ले लिया।

ईस्पोर्ट्स विश्व कप में भाग लेंगे भारतीय ग्रैंडमास्टर निहाल सरीन और अरविंद चितांबरम

मुंबई ,14 अप्रैल 2025। भारत के दो मशहूर शतरंज खिलाड़ी निहाल सरीन और अरविंद चितांबरम ईस्पोर्ट्स वर्ल्ड कप (ईडब्ल्यूसी) 2025 में हिस्सा लेंगे। इन्हें एस8यूएल की शतरंज टीम में शामिल किया गया है। इस साल पहली बार ईडब्ल्यूसी में शतरंज को शामिल किया गया है। इस खेल के लिए कुल इनाम राशि 1.5 मिलियन डॉलर (लगभग 12.9 करोड़ रुपये) रखी गई है। विश्व प्रसिद्ध ग्रैंडमास्टर मैग्नस कार्लसन को इसका 'ग्लोबल एम्बेसडर' बनाया गया है। प्रतियोगिता का प्रारूप 'रैपिड' होगा, जिसमें हर खिलाड़ी को 10 मिनट का समय मिलेगा और चाल के

बाद कोई अतिरिक्त समय (इन्क्रीमेंट) नहीं मिलेगा। खिलाड़ी चैम्पियंस चेस टूर के फरवरी और मई में होने वाले टूर्नामेंट से क्वालीफाई करेंगे, जबकि अंतिम चार खिलाड़ियों का चयन रियाद में होने वाले लास्ट चांस क्वालिफायर से होगा। 20 साल के निहाल सरीन केरल के त्रिशूर से हैं। उन्हें दुनिया के सबसे होनहार युवा शतरंज खिलाड़ियों में गिना जाता है। उन्होंने 6 साल की उम्र में शतरंज खेलना शुरू किया और 10 साल की उम्र में वर्ल्ड यूथ चेस चैंपियनशिप जीतकर पहचान बनाई। 2022 में उन्होंने चेस डॉट कॉम ग्लोबल चैंपियनशिप में उपविजेता बनकर शानदार प्रदर्शन किया।

बॉलीवुड में चमकी किस्मत,फिर अचानक गायब हुए ये 5 सितारे,आज तक नहीं लगा अता पता

बॉलीवुड में कई सितारे खूब नाम कमाते हैं और कई शुरुआती दौर में ही फ्लॉप हो जाते हैं। कई बार ऐसा देखा जाता है कि सफल एक्टिंग करियर को भी एक्टर छोड़कर अपना अलग काम शुरू कर लेते हैं और पूरी तरह से नई दुनिया बसाते हैं,लेकिन इस चमचमाती दुनिया में कई ऐसे सितारे भी हुए जो अचानक ही गायब हो गए। ये कहां हैं, क्या करते हैं और क्यों गायब हुए इसका पता इनके घर वाले भी नहीं लगा पाए। फिल्मों में नाम कमाने के बाद अचानक ही इन सितारों के गायब होने की खबरों ने लोगों को हैरत में डाल दिया। सालों से गायब इन एक्टर्स के बारे में बहुत खोज-खबर की गई लेकिन फिर भी इनके बारे में पता नहीं चल सका। अब ये किन हालातों में हैं और अपनी जिंदगी कैसे गुजार रहे हैं, ये कोई नहीं जानता।

जैस्मिन धुन्ना

वीराना एक्ट्रेस जैस्मिन धुन्ना तो आपको याद ही होंगी। अपनी इस फिल्म से एक्ट्रेस खूब चर्चा में आ गई थीं। बला की खूबसूरत दिखने वाली बोल्ड एक्ट्रेस जैस्मिन धुन्ना आज कहां हैं और क्या करती हैं, ये कोई नहीं जानता। साल 1988 में हॉरर फिल्म 'वीराना' से ये एकदम से मशहूर हो गईं। फिल्म जैम्मिन ने चुडैल का रोल प्ले किया था। फिर अचानक ही एक्ट्रेस फिल्मी दुनिया से गुमनाम हो गईं। जैस्मिन कहां चली गईं इसके बारे में आज तक किसी को पता नहीं चला। कई मीडियो रिपोर्ट्स में अलग-अलग दावे भी किए जाते रहे हैं। 1979 में विनोद खन्ना स्टारर फिल्म सरकारी मेहमान से डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस ने 'डिवोर्स' जैसी फिल्म में भी काम किया था। कहा जाता है कि अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम जैस्मिन की खूबसूरती का दीवाना हो गया था। डॉन के आदमी उनका पीछे करने लगे थे और उन्हें बार-बार फोन कॉल आने लगे थे। इससे परेशान और खौफजदा होकर उन्होंने घर से निकलना बंद कर दिया। ये बात बर्दाश्त से जब बाहर हो गई तो वो सब छोड़कर विदेश चली गईं। इसी बीच एक्ट्रेस की मां का निधन हो गया था। 36 साल तक लापता रहीं एक्ट्रेस के बारे में साल 2017 में रामसे ब्रदर्स के श्याम रामसे ने बताया था कि एक्ट्रेस मुंबई में ही हैं, लेकिन वो खुद को लाइमलाइट से पूरी तरह दूर रखना चाहती हैं। एक्ट्रेस के साथ काम करने वाले एक्टर हेमंत बिरजे का दावा है कि वो वीराना की सफलता के तुरंत बाद शादी कर ली थी और सब छोड़कर अमेरिका चली गई थीं और अब वहीं रहती हैं। वो मुंबई भी आती हैं। फिलहाल एक्ट्रेस की और से कभी कोई अपडेट सामने नहीं आया।

राज किरण

1949 में जन्मे राज किरण महतानी 1980 के दशक में एक लोकप्रिय बॉलीवुड अभिनेता थे। उन्होंने ऋषि कपूर, गोविंदा,अनिल कपूर,रेखा,श्रीदेवी,दीप्ति

नवल और हेमा मालिनी जैसे कई सितारों के साथ काम किया। बसेरा, अर्थ, तेरी मेहरबानियां, मजदूर और घर एक मंदिर जैसी कई हिट फिल्मों में उनके काम को सराहा गया। एक्टर का करियर जब फ्लॉप होने लगा तो वो इसका सदमा बर्दाश्त नहीं कर सके और डिप्रेशन में चले गए। 2000 के दशक की शुरुआत में उन्हें पागलखाने में भर्ती कराया गया था। इसके बाद वो अचानक ही वहां से गायब हो गए और 20 साल से ज्यादा समय से लापता हैं। एक्टर के परिवार को भी नहीं पता कि वो अब कहां हैं। उनकी पत्नी ने दूसरी शादी कर ली और बेटी भी अब आगे बढ़ चुकी हैं,लेकिन वो आज भी उनके हर जन्मदिन पर उन्हें याद करती है। कई रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि उन्हें न्यूयॉर्क में कैब चलाते हुए देखा गया था। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि बाद में उन्हें अमेरिका में पागलखाने में भर्ती कराया गया। राज की को-एक्ट्रेस दीप्ति नवल और ऋषि कपूर ने भी उन्हें खोजने की कोशिश की थी। फिलहाल दोनों कोई संपर्क नहीं साध सके। को-एक्टर ऋषि कपूर ने बताया था कि वो अमेरिका के पागलखाने में हैं, वहीं दिप्ति नवल ने बताया कि वो अमेरिका में टेक्सी चलाते देखे गए।

विशाल ठक्कर

अजय देवगन और बॉबी देओल स्टारर 'टैंगों चार्ली' और संजय दत्त स्टारर 'मुन्ना भाई एमबीबीएस' में विशाल ठक्कर नजर आए थे। चांदनी बार में उन्होंने तब्बू के बेटे का रोल प्ले किया था। इसके अलावा उन्होंने कई टीवी शोज में भी काम किया। साल 2016 से विशाल भी लापता हैं। उनके बारे में किसी को भी नहीं पता है। बताया जाता है कि वो फिल्म देखने गए थे और वहां से कभी लौटे ही नहीं। उनका परिवार आज भी राह देख रहा है। बीते 9 सालों से उनके बारे में कोई अता-पता नहीं है। एक्टर की मां अपना जीवन पछतावे में गुजार रही हैं। विशाल की मां ने बताया था कि वो अपनी मां से साथ चलने के लिए कह रहा था,लेकिन उन्होंने इंकार कर दिया और नहीं गईं। जब विशाल घर से निकले तो उनके पास सिर्फ 500 रुपये ही थे। उसी रात करीब 1 बजे विशाल ने पापा को मैसेज किया कि वह एक पार्टी में जा रहे हैं और कल आएंगे। परिवार उनका मैसेज आने के बाद बेफिक्र रहा, लेकिन अगले दिन विशाल लौटे ही नहीं।

मालिनी शर्मा

बिपाशा बासु और डीनू मौर्या स्टारर हॉरर फिल्म राज तो हर किसी को याद ही होगी। इस फिल्म को खूब पसंद किया गया और ये बॉक्स ऑफिस पर भी हिट रही। इसमें भूत बनी एक लड़की नजर आई थी। इस भूत का किरदार एक्ट्रेस मालिनी शर्मा ने निभाया था। राज मालिनी की पहली फिल्म थी। इस फिल्म की सफलता के बाद ही मालिनी गायब हो गईं। बीते कई सालों से उनके बार में किसी को कुछ भी पता नहीं है।

काजल किरण

दिवंगत एक्टर ऋषि कपूर की फिल्म हम किसी से कम नहीं की खूबसूरत हीरोइन को कौन भूल सकता है। एक्ट्रेस काजल किरण के साथ काम करने के सालों बाद भी ऋषि कपूर उन्हें नहीं भूल पाए थे। सालों से लापता एक्ट्रेस के बारे में उन्होंने खुद खोज-खबर करने की कोशिश की थी।

महत्वपूर्ण खबर

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर उन्हें किया नमन

रायपुर,14 अप्रैल 2025(ए)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज अपने निवास कार्यालय में भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धापूर्वक नमन किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा साहेब का संपूर्ण जीवन संघर्ष की अनुपम मिसाल है। उन्होंने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने हमें एक ऐसा संविधान दिया जो भारत को लोकतंत्र, समानता और न्याय की मजबूत नींव प्रदान करता है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बाबा साहब के विचारों को युगप्रेरक बताते हुए कहा कि आज का दिन हमें यह संकल्प लेने का अवसर देता है कि हम उनके आदर्शों पर चलें, और एक समावेशी, समतामूलक और न्यायप्रिय समाज के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं।

मैग्नेटो मॉल के पास कार ने महिला को ठोंका,हुई मौत

बिलासपुर,14अप्रैल 2025(ए)। शहर के रामा मैग्नेटो मॉल के पास आज सुबह एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक तेज रफ्तार कार ने दो महिलाओं को जबरदस्त टक्कर मारी। इस हादसे में एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दूसरी महिला गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे इलाज के लिए हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक मृतक महिला का नाम अंजू टंडन है, जो मुंगेली निवासी थी और बिलासपुर के रामा मैग्नेटो मॉल में काम करती थी। आज सुबह जैसे ही वह काम पर निकली, व्यापार विहार की ओर से आ रही तेज रफ्तार कार ने उसे रौंद दिया।

रात में आंगन से 7 साल की बच्ची लापता

बैगा हिरासत में

मुंगेली,14अप्रैल 2025(ए)। मुंगेली जिले के कोसाबाड़ी में 7 साल की बच्ची का अपहरण हुआ है। शुक्रवार रात महेश्वरी गोस्वामी अपनी मां के साथ घर के आंगन में सोने चली गई लेकिन रात 2 बजे मां की नींद खुली तो देखी कि बच्ची गायब है। रात के अंधेरे में कोई शख्स बच्ची को उठा ले गया। मामला लोरमी थाना क्षेत्र का है। थाने में शिकायत के बाद पुलिस ने गांव के ही झाड़ फूंक करने वाले एक बैगा को हिरासत में लिया है। जिससे पूछताछ की जा रही है। मां पुष्पा गोस्वामी ने बताया कि परिवार ने पूरी रात और अगले दिन सुबह आसपास के इलाके में बच्ची को खोजा। लेकिन कहीं पता नहीं चला। जिसके बाद थाने पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई है। वहीं, लकवा ग्रस्त पिता ने पुलिस पर मदद नहीं करने का आरोप भी लगाया है।

छत्तीसगढ़ से प्रयागराज जा रही बस हुई दुर्घटना का शिकार

दुर्ग,14 अप्रैल 2025(ए)। छत्तीसगढ़ से प्रयागराज जा रही यात्री बस हादसे का शिकार हो गई। यात्री बस के अनियंत्रित होकर पलट जाने से उसमें सवार आधा दर्जन से अधिक लोग घायल हो गये, इनमें से पांच लोगों की हालत चिंताजनक है। फिलहाल घायलों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

छत्तीसगढ़ में मोदी की एक और गारंटी हुई पूरी

1460 ग्राम पंचायतों को जल्द मिलेंगी नगद व अन्य डिजिटल सेवाएं...हुआ एमओय

रायपुर,14 अप्रैल 2025(ए)। भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर छत्तीसगढ़ में मोदी की एक और गारंटी पूरी होने जा रही है। प्रदेश की 1460 ग्राम पंचायतों में 24 अप्रैल, पंचायत दिवस से नगद भुगतान सहित अन्य डिजिटल सेवाएं शुरू की जाएंगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की उपस्थिति में प्रदेश के प्रत्येक विकासखंड की 10-10 ग्राम पंचायतों में अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्र के लिए एमओयू किया गया।

इन सुविधा केंद्रों में ग्रामीणों को अब बहुत सारी सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिल सकेंगी। वे अपने खाते से आसानी से पैसे निकाल सकेंगे, अपने खाते से किसी अन्य के खाते में पैसे भेज सकेंगे, बिजली-पानी बिल का भुगतान कर सकेंगे तथा पेंशन-बीमा जैसी अनेक सुविधाओं का लाभ अपने पंचायतों में ही ले सकेंगे।

अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्र के लिए कॉमन सर्विस सेंटर के सेवा प्रदाताओं और सरपंचों के बीच आज एमओयू हुआ। यह कार्यक्रम प्रदेश के

सभी जिला मुख्यालयों में आयोजित किया गया। इन सुविधा केंद्रों के आरंभ होने से ग्रामीणों को छोटे-छोटे कार्यों के लिए विकासखंड और जिला मुख्यालय नहीं जाना पड़ेगा। गांव में ही उन्हें बहुत-सी सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिला मुख्यालयों में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए आज ऐतिहासिक दिन है। मोदी की गारंटी की एक और गारंटी पूरी करने जा रहे हैं। विधानसभा चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने छत्तीसगढ़ की जनता से ग्राम पंचायतों में नगद भुगतान की सुविधा शुरू करने का वादा किया था, जो अब पूरा होने जा रहा है।मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमने सवा साल में ही मोदी की गारंटी के अधिकांश वादों को पूरा किया है। चाहे किसानों के लिए 3100 रुपये में धान खरीदी हो या पिछले दो वर्षों का धान बोनस, महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना, बुजुर्गों के लिए रामलला दर्शन, मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना का पुनः प्रारंभ, या 5 लाख 62 हजार कृषि मजदूरों को सालाना 10 हजार रुपये देने का वादा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि ग्राम पंचायतों में शुरू हो रहे इन सुविधा केंद्रों से किसान धान का भुगतान, महतारी वंदन योजना, पेंशन तथा अन्य योजनाओं की राशि का भुगतान ले सकेंगे, साथ ही जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र सहित अन्य सुविधाओं का भी लाभ ले सकेंगे।

आवास सर्वे की सूची में हर जरूरतमंद और पात्र व्यक्ति का नाम हो शामिल, योजना का मिले लाभ

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि हर किसी का पक्का मकान हो। पिछली सरकार के कार्यकाल में 18 लाख हितग्राही आवास से वंचित रह गए थे। शपथ लेने के दूसरे दिन हमने कैबिनेट की बैठक में 18 लाख आवासों की स्वीकृति दी। अभी तक हमें केंद्र से 14 लाख आवास मिले हैं। दो दिन पूर्व केंद्रीय पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि छत्तीसगढ़ के लिए साढ़े तीन लाख आवास स्वीकृत करने जा रहे हैं। सभी को आवास मिले, इसके लिए हमने आवास प्लस प्लस सर्वे में पात्रता के दायरे को बढ़ाया है, जिससे हर किसी के घर का सपना पूरा हो सके।उन्होंने कार्यक्रम से जुड़े सभी जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि प्रधानमंत्री आवास योजना प्लस प्लस का सर्वे 15 अप्रैल से 30 अप्रैल तक हो रहा है।

गांव-गांव में वाटर हार्वेस्टिंग की अपील

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रदेश में गिरते भू-जल स्तर पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने गांव-गांव में जल संचयन को बढ़ावा देने के लिए वॉटर हार्वेस्टिंग अपनाने की अपील की।उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कहा कि पंचायतों में वित्तीय सुविधा को बढ़ावा देने के लिए अटल पंचायत डिजिटल सुविधा केंद्र एक मील का पत्थर साबित होगा। इनसे निश्चित ही एक ही स्थान पर रेलवे टिकट बुकिंग हो या छात्रवृत्ति,पेंशन राशि का आहरण की सुविधा ग्राम पंचायतों में ही उपलब्ध होगी। इससे हम ग्राम पंचायतों को स्वावलंबी बनाने के संकल्प को पूरा कर सकते हैं। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में भू-जल का गिरता स्तर बहुत ही चिंताजनक है। इसके लिए गांव-गांव में भू-जल स्तर बढ़ाने हेतु विभाग से अलग से एसओपी जारी किया जा रहा है। हम जल स्तर बढ़ाने के लिए कार्ययोजना बनाकर कार्य करेंगे। उन्होंने उपस्थित लोगों से भू-जल स्तर बढ़ाने के लिए कार्य करने का संकल्प लेने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि 15 अप्रैल को मुख्यमंत्री साय प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के सर्वे अभियान का शुभारंभ करेंगे।

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल के सीएम को पत्र पर पूर्व सीएम का पलटवार

कहा-खुल गई सुशासन की कलई

रायपुर,14 अप्रैल 2025(ए)। राजधानी में बढ़ते अपराध को लेकर बीजेपी सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिखते हुए राजधानी में पुलिस बल बढ़ाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि रायपुर तेजी से विकसित हो रहा शहर है, ऐसे में यहां बेहतर सुरक्षा और ट्रैफिक व्यवस्था की सख्त जरूरत है। इसे लेकर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने तंज कसा और कहा कि आखिरकार सुशासन की कलई खुल गई।

सांसद अग्रवाल ने पत्र में कहा कि राजधानी में 796 पुलिस पद खाली हैं, जिससे अपराधियों में कोई भय नहीं रह गया है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि लोकतंत्र में कमियों को इंगित करना बीजेपी की परंपरा है, और मुख्यमंत्री व्यस्त रहते हैं,

इसलिए उन्होंने पत्र लिखकर ध्यान दिलाना जरूरी समझा।

इस पत्र पर छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम अरुण साव ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि ÷बृजमोहन अग्रवाल वरिष्ठ नेता हैं और उन्होंने सुझाव दिए हैं। सरकार उनके सुझावों पर विचार करेगी। साथ ही कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा, ÷कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ को अपराधगढ़ बना दिया था,आज उन्हें बोलने का कोई हक नहीं है। इधर, कांग्रेस नेता और पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने इस पत्र को ÷लेटर बम÷ करार देते हुए कहा कि ÷सरकार के भीतर आपसी तालमेल की कमी दिख रही है, तभी सांसद को पत्र लिखना पड़ रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भी इस मुद्दे पर तंज कसते हुए कहा, ÷जब बीजेपी के वरिष्ठ सांसद ही कानून व्यवस्था को लेकर सरकार को पत्र लिख रहे हैं, तो इससे सरकार के सुशासन की पोल खुल गई है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए पूछा कि आखिर सरकार किस प्रकार का सुशासन तिहार मना रही है?

इस पत्र को लेकर राज्य की सियासत गर्म होती दिख रही है और विपक्ष इसे सरकार की विफलता के तौर पर पेश कर रहा है, जबकि सरकार इसे एक वरिष्ठ नेता का रचनात्मक सुझाव बता रही है।

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल इसके पहले भी मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को पत्र लिख चुके हैं । और उस पत्र में उन्होंने बर्खास्त बीएड डिग्री धारी शिक्षकों के समायोजन की मांग मुख्यमंत्री से की थी । एक हफ्ते में बृजमोहन अग्रवाल ने लगातार दूसरा पत्र मुख्यमंत्री को लिखा है और इस बार उन्होंने रायपुर जिले में 700 से अधिक खाली पदों पर पुलिस कर्मियों की नियुक्ति को लेकर मांग की है।

धमतरी में सुशासन तिहार में लगे अनोखे आवेदन

विधायक को मंत्री बनाने की मांग बनी चर्चा का विषय

धमतरी,14 अप्रैल 2025(ए)।प्रदेश में इन दिनों साय सरकार द्वारा सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें आम लोगों की शिकायतों, समस्याओं और मांगों को सुनकर उनका निराकरण किया जा रहा है। इस अभियान के पहले चरण में धमतरी जिले से 1.84 लाख आवेदन आए हैं। इनमें कई अजीबोगरीब और दिलचस्प आवेदन भी देखने को मिले हैं। ऐसा ही एक मामला मगरलोड ब्लॉक के ग्राम मेघा से सामने आया है, जहां पंच यक्ष कुमार ने अपने क्षेत्र की किसी समस्या या शिकायत को लेकर नहीं, बल्कि कुरुद विधायक अजय चंद्राकर को मंत्री बनाने की मांग करते हुए आवेदन दिया है। इस अनोखे आवेदन की जिलेभर में चर्चा हो रही है।

नशे में धुत अजय महापात्र ने पत्रकार को कुचलने का किया प्रयास

रायपुर,14 अप्रैल 2025(ए)। राजधानी रायपुर में पत्रकारों की सुरक्षा और कानून व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल एक बार फिर उठ खड़े हुए हैं। तेलीबांधा थाना क्षेत्र में अजय महापात्र पिता जुगल किशोर महापात्र, जो 'गरम मसाला 420' नामक इंस्टाग्राम आईडी से ब्लॉगर भी है, ने हाल ही में शराब के नशे में धुत होकर एक युवा पत्रकार के साथ सरेआम गाली-गलौज करते हुए उसे अपनी नीली रंग की स्विफ्ट डिज़ायर कार (क्रमांक एमपी 18 सीए 0965) से कुचलने का प्रयास किया।

घटना के बाद तेलीबांधा थाना पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए कैटरर्स संचालक अजय महापात्र को वीआईपी चौक से घेराबंदी कर हिरासत में लिया और थाने

लाया गया। लेकिन इसके बाद पुलिस पर राजनीतिक और सामाजिक रसूखदारों द्वारा दबाव बनाकर थाने में जबरन समझौता कराया गया। हैरानी की बात ये रही कि ठीक अगले ही दिन, संचालक अजय महापात्र ने फिर से नशे की हालत में पीड़ित पत्रकार को फोन कर जान से मारने की धमकी दे डाली। इससे आहत होकर पत्रकार ने थाने में दर्ज कराए गए पूर्व समझौते को रद्द कराया और थाना प्रभारी नरेंद्र मिश्रा को पूरी घटना की जानकारी दी। पुलिस ने तत्काल आरोपी का मोबाइल ट्रेस कर दोबारा उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया। ये कोई पहली बार नहीं है जब अजय महापात्र कानून के घेरे में आया हो।

नगर निगम की लापरवाही से गडढे में गिरकर मासूम की मौत

परिजनों के साथ धरने पर बैठे पूर्व विधायक ने की ये मांग,मचा बवाल

रायपुर,14अप्रैल 2025(ए)। राजधानी रायपुर के गुढियारी थाने की रामनगर चौकी इलाके में स्थित गुलमोहर पार्क कॉलोनी में रविवार को बड़ा हादसा हुआ। नगर निगम द्वारा खोदे गए गड्ढे में तीन बच्चे डूब गए, जिनमें से 7 साल के दिव्यांश की मौत हो गई। दो अन्य बच्चों अंश सेन (5 वर्ष) और प्रियांश सेन (6 वर्ष) को बचा लिया गया। इस हादसे के बाद परिजनों में आक्रोश है। परिजनों ने जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग को लेकर जमकर हंगामा किया और प्रदर्शन कर रहे हैं। उनकी

मांगे नहीं मानने पर सीएम हाउस का घेराव करने की चेतावनी दी है।

बीड़ी पीते-पीते आई नींद,बुजुर्ग जिंदा जला

रायपुर,14अप्रैल 2025(ए)। रायपुर के विधानसभा थाना क्षेत्र अंतर्गत दोदेखुर्द इलाके में एक घर में भीषण आग लग गई। इस दर्दनाक हादसे में बुजुर्ग धनराज साहू (उम्र लगभग 70 वर्ष) गंभीर रूप से झुलस गए जिनकी हालत चिंताजनक बताई जा रही है। उन्हें मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां वे जीवन और मृत्यु के बीच संघर्ष कर रहे हैं। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि बुजुर्ग धनराज साहू ने बीड़ी पीने के बाद उसे जलती हालत में छोड़कर सो गए, जिससे आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरे घर को अपनी चपेट में ले लिया। बुजुर्ग को जब तक बाहर निकाला गया, तब तक वे 70 से 80 प्रतिशत तक झुलस चुके थे।

बैंक कर्मियों ने नगर निगम के 79 लाख रुपयों का कर लिया गबन

महीनों बाद भी जब वापस नहीं हुए रूपये तो पुलिस की शरण में पहुंचा निगम

कोरबा,14अप्रैल 2025(ए)। नगर पालिक निगम कोरबा में टैक्स के रूप में वसूली गई रकम एक्सिस बैंक में सीएमएस के माध्यम से जमा कराये गए, मगर स्टेटमेंट की जांच से पता चला कि बैंक में कुल जमा रकम में से 79 लाख रूपये कम है। इस मामले की जांच में यह खुलासा हुआ कि बैंक के जो कर्मचारी रकम लेने निगम के कार्यालय आते थे, उन्होंने ही रुपयों का गबन कर लिया है। इस मामले को उजागर हुए 5 महीने के बीत जाने के बावजूद जब बैंक प्रबंधन ने रकम नहीं लौटाई तब निगम प्रशासन ने बैंक के खिलाफ एफआईआरके लिए पुलिस को

पत्र लिखा है। निगम के एकाउंट सेक्शन ने कभी गंभीरता से इस बात पर ध्यान नहीं दिया कि बैंक स्टाफ को दी गई पूरी रकम जमा हो रही है या नहीं। इस बीच निगम के अकाउंट अफसर रिटायर होते चले गए। वर्ष 2024 में जब नए अफसर ने यहां का कार्यभार संभाला और बैंक अकाउंट का मिलान किया तब पता चला कि वर्ष 2022-23 एवं 2023-24 में जमा की गई राशि में लाखों रुपये का अंतर है। निगम आयुक्त आशुतोष पांडेय ने इस गड़बड़ी के पकड़े जाने के बाद बैंक प्रबंधन से पत्राचार किया और अंतर की राशि को खाते में जमा करने को कहा।

मंत्रालय के दो कर्मचारियों की मौत,नहर में डूबे

दुर्ग,14 अप्रैल 2025(ए)। जिले के सेलूद क्षेत्र से गुजरने वाली तांदुला नहर में दो युवकों के डूबने की सूचना मिली है। दोनों युवक की तलाश में एसडीआरएफकी टीम सुबह से नहर में उतरी है। खबर लिखे जाने तक एक भी बॉडी रिकवर नहीं की गई है। एसडीआरएफ प्रभारी नागेंद्र कुमार सिंह से मिली जानकारी के मुताबिक उन्हें 13 अप्रैल की शाम सूचना मिली थी कि उतई थाना अंतर्गत सेलूद के पास शाम 4 बजे नहर में दो युवक डूब गए हैं। रात हो जाने से एसडीआरएफ की टीम पानी में नहीं उतरी। सुबह तड़के ही टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू का कार्य शुरू किया। डूबने वाले युवकों की पहचान प्रह्लाद यादव (40 साल) निवासी धनौरा दुर्ग के रूप में हुई है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)